www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 310 | जौनपुर बुधवार, 01 जुलाई 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

वायुसेना के नए उप वायुसेनाध्यक्ष बने एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित, संभाला कार्यभार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना में महत्वपूर्ण बदलाव के तहत एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने मंगलवार, एक जुलाई को उप वायुसेनाध्यक्ष (वाइस चीफ ऑफ द एयर स्टाफ) का पदभार ग्रहण कर लिया। एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित कारगिल युद्ध के दौरान 'ऑपरेशन सफेद सागर' और हाल में चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' में अहम भूमिका निभा चुके हैं। उन्होंने एयर मार्शल नागेश कपूर का स्थान लिया, जो 30 जून 2026 को लगभग 40 वर्षों की गौरवशाली सेवा के बाद सेवानिवृत्त हुए। अपने लगभग चार दशकों के लंबे सैन्य करियर में एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने भारतीय वायुसेना में कई महत्वपूर्ण कमांड और स्टाफ नियुक्तियों पर सेवाएं दी हैं। एयर मार्शल दीक्षित भारतीय वायुसेना के सबसे अनुभवी लड़ाकू पायलटों में गिने जाते हैं। उन्हें 6 दिसंबर 1986 को वायुसेना की फाइटर स्ट्रीम में कमीशन मिला था। वे राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, बांग्लादेश स्थित डिफेंस स्टाफ सर्विस कॉलेज और राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय के पूर्व छात्र हैं। उनके नाम विभिन्न प्रकार के सैन्य विमानों पर 3,500 घंटे से अधिक उड़ान का अनुभव दर्ज है। उप वायुसेनाध्यक्ष का पद संभालने से पहले वह सेंट्रल एयर कमांड के एयर ऑफिसर कमांडिंग–इन–चीफ थे। इसके बाद उन्होंने मुख्यालय एकीकृत रक्षा स्टाफ में चीफ ऑफ इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ टू द चेयरमैन, चीफ ऑफ स्टाफ कमेटी के रूप में कार्य किया।

सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ का 'गार्ड ऑफ ऑनर्स समारोह

नई दिल्ली , (एजेंसी)। भारतीय सेना के नए थल सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ के 'गार्ड ऑफ ऑनर्स' समारोह में एक भावुक और गौरवपूर्ण दृश्य देखने को मिला। रक्षा मंत्रालय मुख्यालय में बुधवार को 'गार्ड ऑफ ऑनर' प्राप्त करने के बाद जनरल धीरज सेठ ने अपने पिता लेफ्टिनेंट जनरल केएम सेठ (सेवानिवृत्त) को सैल्यूट किया। इसके जवाब में उनके पिता ने भी सैल्यूट किया। इसके बाद उन्होंने अपने पिता समेत यहां मौजूद अपने परिजनों के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लिया। यह दृश्य वहां उपस्थित सैन्य अधिकारियों, जवानों और अतिथियों के लिए विशेष आकर्षण व प्रेरणा का केंद्र रहा। समारोह में जनरल धीरज सेठ के छोटे भाई रियर एडमिरल रवनीश सेठ भी मौजूद थे। इस अवसर पर छोटे भाई रियर एडमिरल रवनीश सेठ ने जनरल सेठ को सैल्यूट किया। भारतीय सशस्त्र बलों की विभिन्न शाखाओं में सेवा दे चुके और दे रहे इस परिवार की उपस्थिति ने कार्यक्रम को और अधिक विशेष बना दिया। सैन्य परंपरा, पारिवारिक संस्कार और राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण का यह अनूठा संगम यहां देखने को मिला। जनरल धीरज सेठ ने भारतीय सेना के 31वें थलसेना प्रमुख के रूप में औपचारिक रूप से पदभार ग्रहण किया है।

चार्टर्ड अकाउंटेंट दिवस पर सीए समुदाय को पीएम मोदी समेत कई नेताओं की शुभकामनाएं

नई दिल्ली, (एजेंसी)। चार्टर्ड अकाउंटेंट दिवस के अवसर पर बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई नेताओं ने सीए को बधाई दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर बधाई देते हुए लिखा, पूरे सीए समुदाय को चार्टर्ड अकाउंटेंट्स डेश की बधाई। वे लंबे समय से भारत की आर्थिक यात्रा में भरोसेमंद सहयोगी रहे हैं। पारदर्शिता और पेशेवर उत्कृष्टता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता से, वे हमारे वित्तीय सिस्टम को मजबूत करते हैं, व्यवसायों को सहारा देते हैं, उद्यमिता को बढ़ावा देते हैं और निवेशकों का भरोसा बढ़ाते हैं। प्रधानमंत्री ने आगे लिखा, उनकी विशेषज्ञता आर्थिक विकास और राष्ट्र–निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देती है। जैसे–जैसे हम विकसित भारत बनने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, उनकी कोशिशें ऐसा माहौल बनाने में मदद करती हैं जहां उद्यम फल–फूल सकें और सभी के लिए अवसर बढ़ सकें। गृह मंत्री अमित शाह ने बधाई देते हुए एक्स पोस्ट पर लिखा, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स डे पर सभी चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को हार्दिक शुभकामनाएं। वे व्यक्तियों और व्यावसायिक घरानों की वित्तीय दक्षता और कानूनी अनुपालन को लगातार बेहतर बनाकर हमारे देश की आर्थिक प्रगति में योगदान देते हैं। यह दिन देश के प्रति उनके समर्पण को और मजबूत करे। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने एक्स पोस्ट में लिखा, श्वित्तीय ईमानदारी और आर्थिक प्रगति के आधार–स्तंभों को चार्टर्ड अकाउंटेंट्स डे की हार्दिक शुभकामनाएं। नैतिकता, सटीकता और पारदर्शिता के प्रति आपकी अटूट प्रतिबद्धता के माध्यम से, आप व्यवसायों को मजबूत बनाने, विश्वास को बढ़ावा देने और भारत की प्रगति व समृद्धि में योगदान देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सभी सीए पेशेवरों को उनके इस नेक पेशे में निरंतर सफलता और उत्कृष्टता की शुभकामनाएं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक्स पोस्ट में लिखा, सभी चार्टर्ड अकाउंटेंट साथियों को चार्टर्ड अकाउंटेंट दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

उत्तराखंड अल्पसंख्यक शिक्षा अधिनियम लागू, सीएम धामी ने की घोषणा

देहरादून, (एजेंसी)। देवभूमि उत्तराखंड में उत्तराखंड अल्पसंख्यक शिक्षा अधिनियम प्रभावी कर दिया गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को इसकी घोषणा की। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर पोस्ट कर लिखा, आज से उत्तराखंड अल्पसंख्यक शिक्षा अधिनियम प्रभावी हो गया है। इसके साथ ही मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम एवं गैर–सरकारी अरबी–फारसी मदरसा मान्यता नियम समाप्त हो गए हैं। मुख्यमंत्री ने आगे लिखा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में हमारी सरकार प्रदेश में ऐसी शिक्षा व्यवस्था के लिए प्रतिबद्ध है जो आधुनिक, पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण, जवाबदेह और राष्ट्र निर्माण के मूल्यों पर आधारित हो। नई व्यवस्था सभी अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों के लिए समान एवं पारदर्शी मान्यता प्रणाली सुनिश्चित करेगी। सीएम धामी ने एक्स पोस्ट में लिखा, ष्हमारा संकल्प स्पष्ट है कि प्रदेश का नौनिहाल आधुनिक शिक्षा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, कौशल और भारतीय जीवन मूल्यों से सशक्त होकर विकसित उत्तराखंड एवं विकसित भारत के निर्माण में अपनी सार्थक भूमिका निभाए। इसी लक्ष्य के साथ हम निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। जुलाई से उत्तराखंड में मदरसा शिक्षा बोर्ड पूरी तरह से समाप्त हो गया है। राज्य में बुधवार से नया राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण अस्तित्व में आ गया है। उत्तराखंड राज्य में अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों में शैक्षिक रूप से बड़े बदलाव किए गए हैं, जिसमें यहां पर पढ़ने वाले बच्चे को एनसीईआरटी के पाठ्यक्रम की किताबें मिलेंगी।

पूर्व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू को जन्मदिन पर पीएम मोदी समेत कई नेताओं ने दी बधाई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू के जन्मदिन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, गृहमंत्री अमित शाह सहित भाजपा वरिष्ठ नेताओं ने बधाई देते हुए स्वस्थ जीवन की कामना की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर लिखा, ष्भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। अपने शानदार सार्वजनिक जीवन के दौरान, उन्होंने देश के विकास और वंचितों की सेवा के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता से एक अलग पहचान बनाई है। कृषि और ग्रामीण विकास के प्रति उनका जुनून उल्लेखनीय है। मुझे इस बात की हमेशा खुशी रहती है कि मैंने उनके साथ कई वर्षों तक काम किया है। उनके लंबे और स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं।ष लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने एक्स पर लिखा, ष्भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू को जन्मदिन पर हार्दिक बधाई और अनेक शुभकामनाएं। ईश्वर से आपके उत्तम स्वास्थ्य, प्रसन्न और सुदीर्घ जीवन की अभिलाषा है।ष गृहमंत्री अमित शाह ने एक्स पर पोस्ट किया, ष्भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू को जन्मदिन की बधाई। जन–राजनीति से लेकर उपराष्ट्रपति पद तक, नायडू जी ने संवैधानिक मूल्यों को बनाए रखने और नागरिकों के मुद्दों को उठाने में ऐसी मिसालें कायम की हैं, जिनका हमारे युवा नेता अनुसरण कर सकते हैं। उनके अच्छे स्वास्थ्य और लंबी उम्र की कामना करता हूं। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने एक्स पर लिखा, पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं।

जनसांख्यिकीय बदलावों पर बनी हाई लेवल कमिटी ने गृह मंत्री अमित शाह से की मुलाकात

नई दिल्ली, (एजेंसी)। जनसांख्यिकीय बदलावों पर गठित हाई लेवल कमिटी ऑन डेमोग्राफिक चेंजेज ने नई दिल्ली में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट की। बैठक में समिति ने अपनी कार्ययोजना की जानकारी देते हुए बताया कि वह विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का दौरा कर जमीनी स्तर पर जानकारी जुटाएगी तथा केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों से भी जनसंख्या में बदलाव से जुड़े मुद्दों पर फीडबैक लेगी। समिति ने गृह मंत्री को बताया कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के दौरों को अधिक प्रभावी और इंटरैक्टिव बनाने के लिए एक विस्तृत प्रश्नावली तैयार की गई है। इसके माध्यम से संबंधित राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से पहले ही आवश्यक जानकारी प्राप्त की जाएगी, ताकि अध्ययन अधिक व्यापक और तथ्यात्मक हो सके। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने समिति की कार्ययोजना की सराहना करते हुए गृह सचिव को निर्देश दिया कि समिति को उसके नियमित कार्यों और दौरों के दौरान हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने समिति से जल्द से जल्द अपनी सिफारिशें प्रस्तुत करने का भी सुझाव दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त, 2025 को 'हाई–पावर्ड डेमोग्राफी मिशन' की घोषणा की थी। इसके बाद भारत सरकार ने अवैध प्रवास और अन्य असामान्य कारणों से हो रहे जनसांख्यिकीय बदलावों का अध्ययन करने तथा उनसे निपटने के उपाय सुझाने के लिए इस उच्च स्तरीय समिति का गठन किया। सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति प्रकाश प्रभाकर नावलेकर समिति के अध्यक्ष हैं। समिति में जनगणना आयुक्त के अलावा सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी दुर्गा शंकर मिश्रा, सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी बालाजी श्रीवास्तव और प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (पीएमईएसी) की सदस्य डॉ. शमिका रवि को सदस्य बनाया गया है। यह हाई लेवल कमिटी देश के विभिन्न हिस्सों में अवैध प्रवास और अन्य असामान्य कारणों से हो रहे जनसांख्यिकीय बदलावों का वैज्ञानिक आकलन करेगी।

राघव चड्ढा को दिल्ली हाईकोर्ट से आंशिक राहत, पांच आपत्तिजनक पोस्ट हटाने का दिया आदेश

नई दिल्ली , (एजेंसी)। दिल्ली हाई कोर्ट ने बुधवार को राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा को आंशिक राहत देते हुए उनके खिलाफ सोशल मीडिया पर पोस्ट की गई पांच प्रथमदृष्टया मानहानिकारक पोस्ट हटाने का आदेश दिया। हालांकि, अदालत ने उनके पर्सनैलिटी और पब्लिसिटी राइट्स की व्यापक सुरक्षा देने या बाकी सभी पोस्ट हटाने के लिए कोई अंतरिम आदेश देने से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति सुब्रमोनियम प्रसाद की एकल पीठ ने कहा कि पहली नजर में इस मामले में पर्सनैलिटी राइट्स का कोई उल्लंघन नहीं दिखाई देता। अदालत ने कहा, ष्इस मामले में पर्सनैलिटी राइट्स का सवाल नहीं बनता। मैंने केवल पांच दस्तावेज हटाने का आदेश दिया है। बाकी सामग्री पहली नजर में मानहानिकारक नहीं है। राघव चड्ढा ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर आरोप लगाया था कि आम आदमी पार्टी छोड़कर भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने के बाद सोशल मीडिया पर उनके नाम, तस्वीर, पहचान और छवि का बिना अनुमति इस्तेमाल किया गया। कई पोस्ट में यह दिखाने की कोशिश की गई कि उन्होंने श्पैसों के लिए खुद को बेच दिया। याचिका में यह भी कहा गया था कि उनके खिलाफ एआई से तैयार सामग्री, डीपफेक वीडियो, मॉर्फ्ड तस्वीरें, कृत्रिम आवाज (सिंथेटिक वॉयस क्लोनिंग) और फर्जी भाषण सोशल मीडिया पर प्रसारित किए गए, जिन्हें हटाने का आदेश दिया जाए। इस मामले में मई महीने में अंतरिम राहत पर फैसला सुरक्षित रखते समय भी हाई कोर्ट ने मौखिक टिप्पणी की थी कि पहली नजर में यह मामला राजनीतिक फैसले की आलोचना से जुड़ा लगता है, न कि पर्सनैलिटी राइट्स के उल्लंघन से। सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा था, ष्पहली नजर में यहां पर्सनैलिटी राइट्स का कोई मामला नहीं बनता। राजनीतिक क्षेत्र में लिए गए आपके फैसले की आलोचना की जा रही है। कोर्ट ने यह भी कहा था कि आलोचना और मानहानि के बीच की सीमा बहुत पतली होती है।

वित्त मंत्री सीतारमण फ्रांस की चार दिवसीय यात्रा पर रवाना, उच्चस्तरीय द्विपक्षीय बैठकों में होंगी शामिल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केन्द्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण आज बुधवार को फ्रांस की आधिकारिक यात्रा पर रवाना हुईं। अपनी इस यात्रा के दौरान वह कई उच्चस्तरीय द्विपक्षीय बैठकों में भाग लेंगी, जिनका उद्देश्य भारतदृफ्रांस रणनीतिक साझेदारी को और अधिक मजबूत बनाना, आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देना तथा निवेश, प्रौद्योगिकी सहयोग और नवाचार को प्रोत्साहित करना है। यात्रा के दौरान एक प्रमुख कार्यक्रम भारतदृफ्रांस आर्थिक एवं वित्तीय डॉयलॉगदृ (ईएफडी) होगा, जिसकी सह–अध्यक्षता सीतारमण और फ्रांस के आर्थिक, वित्त तथा औद्योगिक एवं ऊर्जा मंत्रीरोलां लेस्क्यूर ऐक्स–आँ–प्रोवांस में करेंगे। इस दौरान दोनों देश विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग की नई संभावनाओं पर विचार–विमर्श करेंगे तथा भारत और फ्रांस के बीच आर्थिक संबंधों को और मजबूत बनाने के उपायों पर चर्चा करेंगे। इस दौरान, केन्द्रीय वित्त मंत्री चयनित वैश्विक कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के साथ बैठकें भी करेंगी। इसके अलावा, वह प्रमुख उद्योगपतियों के साथ गोलमेज चर्चा में भाग लेंगी, जिसमें भारत की मजबूत व्यापक आर्थिक स्थिति, वर्तमान संरचनात्मक सुधारों, बढ़ते निवेश अवसरों तथा दीर्घकालिक आर्थिक विकास की संभावनाओं को प्रस्तुत किया जाएगा। सीतारमण "नए मध्यम वर्ग के विकास को कैसे प्रोत्साहित किया जाए" विषय पर ले रोंकोंत्र एकोनोमिक द'ऐक्स–आँ–प्रोवांस में आयोजित एक पैनल चर्चा में भी भाग लेंगी। केन्द्रीय वित्त मंत्री कादाराशे स्थित अंतरराष्ट्रीय ताप–नाभिकीय प्रायोगिक रिएक्टरदृ आईटीईआर परियोजना का भी दौरा करेंगी। आईटीईआर न्यूक्लियर फ्यूजन ऊर्जा के क्षेत्र में दुनिया की सबसे बड़ी अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक सहयोग परियोजनाओं में से एक है।

महाराष्ट्र में डांस बार नियम होंगे और सख्त, मुंबई पुलिस अधिनियम में संशोधन लाएगी सरकार

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में डांस बारों के संचालन से जुड़ी कानूनी खामियों को दूर करने के लिए मुंबई पुलिस अधिनियम में संशोधन करने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विधानसभा में घोषणा करते हुए कहा कि मौजूदा मानसून सत्र के दौरान संशोधन विधेयक पेश किया जाएगा। सरकार का उद्देश्य उन कानूनी कमियों को समाप्त करना है, जिनका लाभ उठाकर कुछ डांस बार संचालक मौजूदा नियमों से बच निकलते हैं। मुख्यमंत्री के अनुसार, प्रस्तावित संशोधन के बाद डांस बारों के लाइसेंस की पूरी प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और सख्त होगी, जिससे कानून के प्रभावी अनुपालन को सुनिश्चित किया जा सके।फडणवीस ने बताया कि वर्तमान व्यवस्था में कुछ संचालक डांस बार से जुड़े कड़े प्रावधानों से बचने के लिए अन्य कानूनों के तहत लाइसेंस हासिल कर लेते हैं। इससे निगरानी और नियंत्रण की प्रक्रिया प्रभावित होती है। सरकार अब यह व्यवस्था लागू करना चाहती है कि डांस बार संचालित करने के लिए केवल संशोधित मुंबई पुलिस अधिनियम के तहत ही लाइसेंस जारी किया जाए। इससे सभी प्रतिष्ठानों पर एक समान नियम लागू होंगे और कानूनी अस्पष्टता समाप्त होगी।यह विषय विधानसभा में कांग्रेस विधायक नाना पटोले द्वारा उठाया गया था। उन्होंने विशेष रूप से ठाणे जिले में डांस बारों की बढ़ती संख्या और उनसे जुड़े मामलों पर सरकार का ध्यान आकर्षित किया। जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि मौजूदा कानून में पहले से कई सख्त प्रावधान मौजूद हैं, लेकिन कुछ कानूनी खामियों के कारण उनका पूरा प्रभाव नहीं पड़ पा रहा है। सरकार इन्हीं कमियों को दूर करने के लिए संशोधन ला रही है।

27 साल बाद कांग्रेस में घर वापसी, शरद पवार की पार्टी के विलय पर बड़ा खुलासा

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति से इस समय की सबसे बड़ी और धमाकेदार सियासी खबर सामने आ रही है। शरद पवार की पार्टी और कांग्रेस के बीच विलय को लेकर बेहद गंभीर चर्चा शुरू हो चुकी है। इस बात की आधिकारिक पुष्टि खुद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष के पूर्व नेता विजय वडेट्टीवार ने की है। एनडीटीवी से खास बातचीत में विजय वडेट्टीवार ने इस संभावित विलय पर मुहर लगाते हुए कहा शरद पवार की पार्टी के कांग्रेस में विलय को लेकर हमारे केंद्रीय आलाकमान के साथ बातचीत चल रही है। जो लोग भी कांग्रेस और शरद पवार की धर्मनिरपेक्ष विचारधारा में विश्वास रखते हैं, उन सभी का हमारी पार्टी में हमेशा स्वागत है। सियासी गलियारों में इस खबर के बाद से हलचल तेज हो गई है। गौरतलब है कि साल 1999 में शरद पवार ने कांग्रेस से अलग होकर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का गठन किया था। लेकिन समय का चक्र ऐसा घूमा कि साल 2023 में उनके भतीजे अजीत पवार ने बगावत कर दी और एनसीपी को दो फाड़ कर दिया। अजीत पवार अपने समर्थक विधायकों के साथ महाराष्ट्र की बीजेपी–शिवसेना सरकार में शामिल हो गए थे। भतीजे की बगावत के बाद शरद पवार की पार्टी महाविकास अघाड़ी में कांग्रेस के साथ मिलकर चुनाव लड़ रही है, और अब दोनों दलों के पूरी तरह एक होने की सुगबुगाहट ने महाराष्ट्र से लेकर दिल्ली तक की राजनीति में नया उबाल ला दिया है। ममता बनर्जी और उद्धव ठाकरे जैसे क्षेत्रीय नेताओं को हाल ही में राजनीतिक झटके लगे हैं। उनके सांसदों ने अपनी मूल पार्टियों को छोड़कर अलग गुट बनाने का फैसला किया है और इसी माहौल में कांग्रेस के साथ संभावित विलय की चर्चा हो रही है। सूत्रों के मुताबिक, नई दिल्ली में शरद पवार की अगुवाई वाली एनसीपी के कांग्रेस में विलय को लेकर वरिष्ठ नेतृत्व स्तर पर बातचीत अब अंतिम चरण में है और इसमें सकारात्मक प्रगति हुई है।

संपादकीय

पाकिस्तान विडंबना का नायाब उदाहरण

कोई देश बड़ा भू–राजनीतिक मूल्य रख सकता है। मगर उसके साथ ही अपने राष्ट्रीय विकास की क्षमता के अभाव से वह ग्रस्त भी बना रह सकता है। पाकिस्तान इस विडंबना का नायाब उदाहरण है। ईरान–अमेरिका के बीच समझौता कराने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा कर पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय चर्चा के केंद्र में है। उसके योगदान की तारीफ अमेरिका और ईरान के साथ–साथ अन्य देशों ने भी की है। इसके बावजूद अपनी नई कूटनीतिक हैसियत का पाकिस्तान अपने राष्ट्रीय हित मे ज्यादा फायदा उठा सकेगा, ऐसा मानने वाले लोग कम ही हैं। वजह यह तथ्य है कि रणनीतिक स्थिति से बनने वाली हैसियत (या उस कारण मिलने वाली बाहरी वित्तीय या राजनीतिक मदद) और राष्ट्र निर्माण की किसी राज्य की क्षमता– समान चीजें नहीं हैं। अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण पाकिस्तान कई महत्त्वपूर्ण देशों के लिए खास रहा है। चीन के लिए वह कीमती रणनीतिक भागीदार है। चीन उसका इस्तेमाल भारत की शक्ति को संतुलित करने के लिए करता है। साथ ही अरब सागर तक जाने वाले एक गलियारे के रूप में चीन के लिए उसकी अहमियत है। अमेरिका के लिए पाकिस्तान कारणों से उपयोगी है। अफगानिस्तान और ईरान तक पहुंच, पश्चिम को निशाने बनाने वाले आतंकवाद का मुकाबला, और चीन की रणनीतिक गतिविधियों को सीमित करने के लिहाज से अमेरिका उसे अहमियत देता है। अपनी परमाणु एवं अन्य सैन्य क्षमता के कारण वह सऊदी अरब एवं अन्य खाड़ी देशों के लिए महत्त्वपूर्ण है। इन वजहों से उसे वित्तीय एवं कूटनीतिक मदद भी मिलती है। लेकिन हकीकत यही है कि पाकिस्तान ने बाहरी मदद को अपनी औद्योगिक क्षमता, वित्तीय ताकत और टिकाऊ घरेलू शासन में बदलने में पूर्णतरू विफल रहा है। वह आज भी सैन्य नेतृत्व वाला सुरक्षा–केंद्रित राज्य बना हुआ है। बेशक उसने लंबे समय से अपनी रणनीतिक स्थिति का फायदा उठाकर कई महाशक्तियों से पैसा और संसाधन बटोरे हैं। फिर भी उसे आगे बढ़ते या अपनी उभरती शक्ति वाले देश के रूप में नहीं देखा जाता। तो असली सबक यही है कि कोई देश बड़ा भू–राजनीतिक मूल्य रख सकता है। मगर साथ ही उस मूल्य को अपने राष्ट्रीय विकास में बदलने की संस्थागत क्षमता के अभाव से वह ग्रस्त भी बना रह सकता है। पाकिस्तान इस विडंबना का नायाब उदाहरण है। अमेरिका– ईरान समझौते में उसकी अहम भूमिका के बावजूद यह वास्तविकता नहीं बदलने वाली है।

विपक्ष भाजपा के लिए वरदान की तरह

अजीत द्विवेदी

विपक्षी पार्टियां सरकार से लड़ने के लिए कितना सुविधानजक रास्ता चुनती हैं इसकी मिसाल श्इंडियाच ब्लॉक की आठ जून को हुई बैठक है। इस बैठक में विपक्षी पार्टियों के बीच पांच प्रस्तावों पर सहमति बनी। मल्लिकार्जुन खड़गे ने बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी जानकारी दी। इनमें से दो मुद्दे तो विपक्षी गठबंधन के अंदर आपसी तालमेल से जुड़े हैं। बैठक में यह तय किया गया कि हर दो महीने में श्इंडियाच ब्लॉक की बैठक होगी। इस लिहाज से अगली बैठक के लिए आठ अगस्त का दिन तय किया गया। आठ अगस्त को हैदराबाद में अगली बैठक होगी। इसके अलावा एक सहमति इस पर बनी कि संसद के मानसून सत्र में विपक्ष की सभी पार्टियां हर दिन कार्यवाही शुरू होने से पहले बैठक करेंगी। यह पहले से भी होता था। सुबह 10 बजे राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के चौम्बर में विपक्ष की बैठक होती थी। इसलिए इसमें कुछ नया नहीं है। विपक्ष की बैठक में बाकी जिन तीन प्रस्तावों पर सहमति बनी वो देश के सामने मौजूद ज्वलंत समस्याओं से जुड़े हैं। पहला प्रस्ताव मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर है। विपक्षी पार्टियों ने तय किया कि एसआईआर में निष्पक्षता को लेकर सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस को चिऋी लिखी जाएगी। एक प्रस्ताव यह स्वीकार किया गया कि नीट यूजी की परीक्षा के पेपर लीक होने और सीबीएसई की 12वीं की बोर्ड परीक्षा में हुई गड़बड़ी के लिए शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांग जाएगा। तीसरी सहमति इस प्रस्ताव पर बनी कि महंगाई और बेरोजगारी को लेकर सरकार से सर्वदलीय बैठक बुलाने की अपील की जाएगी। इस पूरे मामले में आंदोलन करने का एक भी प्रस्ताव नहीं लाया गया। किसी ने यह जरुरत नहीं समझी कि महंगाई, बेरोजगारी, पेपर लीक, एसआईआर को लेकर लगातार चलने वाला जन आंदोलन शुरू किया जाए और सरकार को जनता की नजर में जवाबदेह बनाया जाए। सोचें, इससे पहले कब ऐसा विपक्ष देखने को मिला था, जो लगातार हो रहे पेपर लीक और छात्रों की परेशानी को लेकर अपने ड्राइंग रूम में बैठे बैठे शिक्षा मंत्री का इस्तीफा मांगे! कब ऐसा विपक्ष रहा था, जो महंगाई और बेरोजगारी पर सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग करे! जब भाजपा विपक्ष में थी यानी 2014 से पहले तो गैस सिलेंडर में 10 रुपए की बढ़ोतरी या पेट्रोल, डीजल की कीमत में एक रुपए की बढ़ोतरी के खिलाफ सड़क पर उतरती थी। चीनी और तेल की महंगाई के खिलाफ खुद कांग्रेस के आंदोलन की वजह से ढाई साल की मोरारजी देसाई सरकार 1980 में चुनाव हार गई थी। 1998 में प्याज की कीमतों पर राजधानी दिल्ली में भाजपा की सरकार चली गई थी। लेकिन अब महंगाई बेतहाशा बढ़ रही है और बेरोजगारी कहां जाकर रूकेगी इसका अंदाजा किसी को नहीं है लेकिन विपक्ष कह रहा है कि इस पर सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए। सर्वदलीय बैठक होगी तो विपक्ष के नेता अपने वातानुकूलित ड्राइंग रूम से निकल कर, वातानुकूलित गाड़ी में बैठ कर, संसद या उसकी एनेक्सी के किसी वातानुकूलित कक्ष में पहुंच जाएंगे, जहां चाय, पकौड़ी खाते हुए महंगाई और बेरोजगारी पर चर्चा होगी और अखबारों में कहीं सिंगल कॉलम की खबर बनेगी। इसी तरह से एसआईआर का मामला है। बिहार सबसे पहला राज्य था, जहां एसआईआर हुआ। उस समय बिहार में विधानसभा का चुनाव होने वाला था तो राहुल गांधी ने एसआईआर को लेकर 15 दिन तक यात्रा की थी। हालांकि राजद के तेजस्वी यादव इसे लेकर बहुत सहज नहीं थे। फिर भी वे साथ घूमे। लेकिन उसके बाद राहुल गांधी ने एसआईआर को लेकर कोई ठोस पहल नहीं की। पश्चिम बंगाल चुनाव के बाद विपक्ष को फिर लग रहा है कि एसआईआर का उनको नुकसान हो सकता है। बंगाल में 27 लाख से ज्यादा नाम तार्किक विसंगति के आधार पर काट दिए गए। इन लोगों के पास दस्तावेज हैं और न्यायाधिकरण में उन दस्तावेजों की जांच के बाद 60 फीसदी लोगों को वैध मतदाता माना जा रहा है। इसका अर्थ है कि तार्किक विसंगति के आधार पर जिन 27 लाख लोगों के नाम कटे हैं उनमें से 22 लाख वैध मतदाता हो सकते हैं। अगर इनके नाम नहीं कटते तो बंगाल का चुनाव नतीजा अलग भी हो सकता था। विपक्ष को यह अंदाजा है कि एसआईआर और परिसीमन दो ऐसी चीजें हैं, जिनके दम पर भाजपा 2029 का चुनाव जीतने की रणनीति बना रही है। लेकिन उस एसआईआर के खिलाफ आंदोलन करने और लोगों को जागृत करने की बजाय विपक्ष चीफ जस्टिस को चिऋी लिखेगा। विपक्ष जब महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग करने लगे, लगातार हो रहे।

चीन देखता रह गया, हिंद महासागर में भारत ने बना ली मजबूत घेराबंदी

नीरज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सेशेल्स यात्रा ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत हिंद महासागर क्षेत्र में केवल एक सहभागी शक्ति नहीं, बल्कि स्थिरता, सुरक्षा और विकास का सबसे भरोसेमंद केंद्र बन चुका है। सेशेल्स की स्वतंत्रता की पचासवीं वर्षगांठ और दोनों देशों के राजनयिक संबंधों के पचास वर्ष पूरे होने के अवसर पर हुई यह यात्रा सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण रही। प्रधानमंत्री मोदी ने सेशेल्स की संसद को संबोधित करते हुए जिस प्रकार हिंद महासागर को अवसरों का महासागर बनाने की बात कही, वह भारत की दूरदर्शी समुद्री नीति का स्पष्ट संकेत है। भारत ने यह संदेश दिया कि हिंद महासागर केवल समुद्री व्यापार का मार्ग नहीं, बल्कि सामरिक संतुलन, आर्थिक समृद्धि और वैश्विक शक्ति संरचना का केंद्र बनने जा रहा है। इस पूरे घटनाक्रम में मोदी सरकार की विदेश नीति का आत्मविश्वास और परिपक्वता साफ दिखाई दी। सेशेल्स को भारत ने जिस सम्मान और साझेदारी का भरोसा दिया, उसने यह साबित किया कि नई दिल्ली छोटे देशों को भी बराबरी और सम्मान के साथ साथ लेकर चलने में विश्वास रखती है। इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच नौ महत्वपूर्ण समझौते हुए। इनमें प्रत्यर्पण संधि सबसे अधिक सामरिक महत्व रखती है। हिंद महासागर क्षेत्र लंबे समय से समुद्री डकैती, मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध मछली पकड़ने और अंतरराष्ट्रीय अपराधों की चुनौती से जूझता रहा है। ऐसे में प्रत्यर्पण समझौता और समुद्री सुरक्षा सहयोग भारत की सुरक्षा नीति को मजबूत करने वाला कदम है। इससे भारत को पश्चिमी हिंद महासागर में अपनी रणनीतिक उपस्थिति और निगरानी क्षमता बढ़ाने में मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट कहा कि भारत और सेशेल्स की सुरक्षा एक दूसरे से जुड़ी हुई है। यही कारण है कि भारत ने सेशेल्स को तेज गश्ती पोत, नौकाएं, एंबुलेंस और अन्य उपयोगी वाहन भेंट किए। भारतीय नौसेना के युद्धपोत और सर्वेक्षण पोत का सेशेल्स पहुंचना हिंद महासागर में भारत की बढ़ती समुद्री शक्ति का प्रदर्शन भी था। साथ ही भारत ने सेशेल्स के लिए एक सौ पचहत्तर मिलियन डॉलर के विशेष आर्थिक पैकेज की घोषणा कर यह भी दिखाया कि उसकी विदेश नीति केवल रणनीतिक हितों तक सीमित नहीं है, बल्कि विकास आधारित साझेदारी पर आधारित है। सामाजिक आवास, शिक्षा, परिवहन, खाद्य सुरक्षा, कौशल विकास और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में भारत का सहयोग यह दर्शाता है कि नई दिल्ली अपने साझेदार देशों के विकास को अपनी प्राथमिकता मानती है। मोदी सरकार की यही नीति भारत को अन्य वैश्विक शक्तियों से अलग पहचान देती है। इस यात्रा का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पक्ष डिजिटल और आर्थिक सहयोग भी रहा। भारत और सेशेल्स के बीच स्थानीय मुद्रा में व्यापार, प्रत्यक्ष नौवहन संपर्क और डिजिटल भुगतान व्यवस्था को लेकर हुए समझौते भविष्य की आर्थिक संरचना को बदलने वाले कदम हैं। भारत की डिजिटल सार्वजनिक संरचना को सेशेल्स में लागू करने की पहल यह साबित करती है कि भारत अब तकनीकी समाधान देने वाली वैश्विक शक्ति के रूप में उभर चुका है। यह मोदी सरकार की उस नीति का परिणाम है जिसमें तकनीक को जनकल्याण और वैश्विक साझेदारी का आधार बनाया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में जलवायु परिवर्तन और छोटे द्वीपीय देशों की चुनौतियों को जिस मजबूती से उठाया, वह भी भारत की वैश्विक नेतृत्व क्षमता को दर्शाता है। उन्होंने साफ कहा कि जिन देशों ने जलवायु संकट पैदा नहीं किया, उन्हें उसका सबसे बड़ा बोझ नहीं उठाना चाहिए। यह बयान विकसित

देशों की दोहरी नीतियों पर सीधा प्रहार भी था। भारत ने अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन, आपदा रोधी आधारभूत ढांचा गठबंधन और हरित ऊर्जा अभियानों के माध्यम से पहले ही विश्व मंच पर अपनी अलग पहचान बना ली है। सेशेल्स द्वारा भारत की पहल में शामिल होना इस बात का प्रमाण है कि विकासशील देशों के बीच भारत की स्वीकार्यता लगातार बढ़ रही है। समयऔर कैलेंडर साथ ही प्रधानमंत्री मोदी को सेशेल्स द्वारा दिया गया "ब्लू होराइजन के संरक्षक" सम्मान केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रतीक है। यह सम्मान पहली बार किसी नेता को दिया गया और इससे यह संदेश गया कि हिंद महासागर क्षेत्र भारत को एक जिम्मेदार और भरोसेमंद शक्ति के रूप में देखता है। पर्यावरण संरक्षण, हरित विकास और समुद्री संसाधनों के संतुलित उपयोग को लेकर भारत की प्रतिबद्धता ने छोटे द्वीपीय देशों में विश्वास पैदा किया है। सामरिक दृष्टि से देखें तो यह यात्रा चीन की बढ़ती समुद्री सक्रियता के बीच भारत की मजबूत जवाबी रणनीति का हिस्सा भी है। हिंद महासागर क्षेत्र में चीन लगातार बंदरगाह, आधारभूत ढांचे और कर्ज आधारित परियोजनाओं के जरिए प्रभाव बढ़ाने में लगा है। इसके मुकाबले भारत ने सहयोग, विश्वास और साझा विकास का मॉडल प्रस्तुत किया है। यही कारण है कि सेशेल्स जैसे देश भारत को केवल क्षेत्रीय शक्ति नहीं, बल्कि दीर्घकालिक साझेदार मानते हैं। मोदी सरकार की विदेश नीति ने पिछले एक दशक में हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की स्थिति को अभूतपूर्व मजबूती दी है। साथ ही सेशेल्स की स्वतंत्रता की स्वर्ण जयंती पर भारतीय सेना और नौसेना की ऐतिहासिक भागीदारी ने इसे भारत की सामरिक शक्ति और क्षेत्रीय प्रभाव के प्रदर्शन में बदल दिया। असम रेजिमेंट के जवानों, भारतीय नौसेना के बैंड और युद्धपोतों की मौजूदगी ने यह स्पष्ट संकेत दिया कि हिंद महासागर क्षेत्र में भारत सुरक्षा का सबसे विश्वसनीय स्तंभ है। राजधानी विक्टोरिया में जब भारतीय सैनिकों ने कदमताल की और असम रेजिमेंट का प्रसिद्ध युद्धगान गूंजा, तब वह केवल सैन्य प्रदर्शन नहीं था, बल्कि भारत और सेशेल्स के बीच दशकों पुराने भरोसे और रक्षा सहयोग का जीवंत प्रतीक था। युद्धपोत आईएनएस तरकश और आईएनएस इक्षाक की उपस्थिति ने हिंद महासागर में भारत की समुद्री क्षमता और रणनीतिक पहुंच को और अधिक प्रभावशाली ढंग से स्थापित किया। यह संदेश भी साफ था कि मोदी सरकार हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की सैन्य और सामरिक उपस्थिति को नई ऊंचाई देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। बहरहाल, कुल मिलाकर देखें तो प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा स्पष्ट संकेत देती है।

नागरिकता के दस्तावेजों पर इतना भ्रम ठीक नहीं..

उमेश

पिछले कुछ वर्षों में पासपोर्ट हासिल करना आसान हो गया है। इसकी वजह तकनीकी क्रांति तो है ही, लेकिन सरकारी नीतियों ने भी आम आदमी के लिए पासपोर्ट बनवाने की प्रक्रिया को आसान किया है। पासपोर्ट हासिल करने के कठिन दौर से लेकर आसानी से प्राप्त होने

के मौजूदा दौर में, आम नागरिक इसे अपनी नागरिकता का एक वैध दस्तावेज मानता रहा है। लेकिन पासपोर्ट सेवा दिवस के मौके पर भारतीय विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के पासपोर्ट को लेकर दिए बयान ने विवाद खड़ा कर दिया है। इस अधिकारी के मुताबिक, भारतीय पासपोर्ट सिर्फ विदेश यात्रा के लिए एक दस्तावेज है, भारतीय नागरिकता का सबूत नहीं। जहां पासपोर्ट हासिल करने को चार धाम यात्रा जैसी उपलब्धि माना जाता रहा हो, जहां किसी व्यक्ति की पहचान के लिए मजबूत सरकारी दस्तावेज माना जाता रहा हो, वहां ऐसा बयान आएगा तो विवाद होगा ही। तो विवाद हो रहा है। विशेष रूप से सोशल मीडिया पर लोग पूछ रहे हैं कि अगर आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, पैन कार्ड और पासपोर्ट नागरिकता का वैध दस्तावेज नही है तो फिर कोई भारतीय नागरिक अपनी नागरिकता के लिए क्या सबूत पेश करे। भारतीय पासपोर्ट अधिनियम के शब्दों से गुजरें तो विदेश मंत्रालय के अधिकारी का कहना गलत भी नहीं है, लेकिन हाल के दिनों में मतदाता सूचियों के विशेष और गहन परीक्षण के दौरान जब घोषित कर दिया गया कि किसी व्यक्ति के पास आधार कार्ड, पैन कार्ड या मतदाता पहचान पत्र होना उसकी नागरिकता के सबूत नहीं है और अब पासपोर्ट भी नहीं रहा, तो फिर भारतीय नागरिक क्या करे। जरूरत पड़ने पर वह कैसे साबित करे कि वह भारतीय नागरिक है। इस आधार पर तो देश के ज्यादातर लोग अपनी नागरिकता को तो साबित ही नहीं कर पाएंगे। यही वजह है कि लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। आज के दौर की तमाम लड़ाइयों का बुनियादी और मजबूत आधार चूंकि नैरेटिव बन गया है तो यह भी साबित करने की कोशिश होगी कि मोदी सरकार ने जानबूझकर ऐसा किया है। इसके लपेटे में मोदी समर्थक ताकतें भी आएंगी, भारतीय जनता पार्टी पर तो खैर सवाल उठेगा ही। इस नैरेटिव को खड़ा होने से पहले ही जरूरी है कि नागरिकता के वैध दस्तावेज को लेकर जारी भ्रम को जल्द से जल्द दूर किया जाए। अन्यथा भ्रम का यह कुहासा जितना फैलेगा, वह आम नागरिक के मन में व्यवस्था के प्रति गुस्सा और क्षोभ भरेगा। इससे तनाव बढ़ाने वाली ताकतों को भी मौका मिलेगा। पासपोर्ट को लेकर विदेश मंत्रालय के अधिकारी ने जो कहा है, वह गलत भी नहीं है। अपने देश में भारतीय पासपोर्ट अधिनियम 1967 के तहत जारी किया जाता है। जबकि भारत में नागरिकता की व्याख्या और प्रमाणिकता के लिए भारतीय नागरिकता कानून 1955 है। पासपोर्ट एक्ट की धारा 20 के मुताबिक, अगर केंद्र सरकार चाहे तो किसी ऐसे व्यक्ति को भी पासपोर्ट या यात्रा दस्तावेज जारी कर सकती है जो भारत का नागरिक नहीं है। बस शर्त यह होगी कि सरकार को ऐसा लगे कि उसके लिए पासपोर्ट जारी करना व्यापक जनहित में जरूरी है। इस कानून से साफ है कि पासपोर्ट और नागरिकता दो अलग अलग चीजें हैं। बेशक भारतीय पासपोर्ट सिर्फ भारतीयों को ही मिलता है, लेकिन यह पत्थर की लकीर जैसा नियम नहीं है। पासपोर्ट अधिनियम की धारा 20 भारत सरकार को छूट देती है कि व्यापक जनहित में वह भारतीय नागरिक ना होने के बावजूद किसी व्यक्ति को पासपोर्ट जारी कर सकती है। विदेश मंत्रालय के अधिकारी के बयान पर भले ही विवाद खड़ा हुआ हो, लेकिन पासपोर्ट के जरिए नागरिकता प्रमाणित करने के तीन अभियुक्तों समेत चार लोगों के दावे को बांबे हाईकोर्ट 2013 में ही खारिज कर चुका है। उन्होंने अपनी नागरिकता के लिए पासपोर्ट पेश किया था। बांबे हाईकोर्ट ने दो सितंबर 2013 के अपने फैसले में साफ कर दिया था कि अगर आपका जन्म 1987 के बाद हुआ है तो पासपोर्ट को अपनी नागरिकता के प्रमाण पत्र के रूप में नहीं पेश कर सकते। वैसे आधार कार्ड का कानून भी मानता है कि आधार कार्ड सिर्फ निवास और पहचान का प्रमाण है, नागरिकता का नहीं। आधार कानून 2016 की धारा में साफ लिखा है कि आधार कार्ड से नागरिकता की बजाय सिर्फ निवास स्थान और पहचान प्रमाणित होता है। इसकी वजह यह है कि आधार कानून के तहत 182 दिनों तक भारत में लगातार रहने वाले व्यक्ति को सरकार चाहे तो आधार कार्ड जारी कर सकती है। इसी आधार पर सर्वोच्च न्यायालय भी इसे नागरिकता का प्रमाण मानने से इनकार कर चुका है। इसी तरह पैन कार्ड के लिए भी व्यवस्था दी गई है। पैन कार्ड का कानूनी आधार है कि व्यक्ति अर्जन कर रहा है और टैक्स दे रहा है। आधुनिक विश्व व्यवस्था की एक खामी यह है कि यहां कानून की भाषा अलग होती है। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि कानूनी भाषा जटिल होती है और उसके शब्द जाल को आम आदमी नहीं समझ पाता। इसी आधार पर उसकी अवधारणाएं विकसित होती हैं और फिर वह किसी विषय का व्यवस्था को लेकर अपनी राय बनाता है। प्रधानमंत्री मोदी को इन जटिलताओं की समझ है, शायद यही वजह है कि उनके कार्यकाल में देश के सैकड़ों गैरजरूरी कानूनों को या तो रद्द किया गया है या फिर कुछ नए संदर्भों वाले कानूनों में समाहित कर दिया गया है। आज के दौर में नागरिकता के दस्तावेज के रूप जब पासपोर्ट, आधार कार्ड , पैन कार्ड या मतदाता पहचान पत्र को आखिरी और अंतिम प्रमाण मानने से इनकार किया जाता है तो अपनी लोक और आम धारणा के चलते आम आदमी इसके विरोध में उतर आता है। यही वजह है कि जब मतदाता सूचियों के विशेष गहन परीक्षण यानी एसआईआर के दौरान इन दस्तावेजों को आखिरी दस्तावेज मानने से इनकार किया गया तो इसका विरोध शुरू हुआ था। कुछ इसी अंदाज में पासपोर्ट पर विदेश मंत्रालय के अधिकारी के बयान पर भी विवाद शुरू हो गया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने पूछ लिया है कि पासपोर्ट बनाने से पहले पुलिस जब व्यक्ति का सत्यापन करती है तो आखिर वह किसका सत्यापन करती है और क्यों करती है? उनका यहां तक कहना है कि इससे लोगों के मन में यह भी संदेह उत्पन्न हो सकता है कि गैर भारतीयों को भी पासपोर्ट दिए जा रहे हैं? इन पंक्तियों के लिखे जाने तक भारत सरकार की ओर से नगारकिता के प्रमाण को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। लेकिन सवाल यह है कि आखिर जब पासपोर्ट मान्य नहीं, मतदाता पहचान पत्र और आधार कार्ड पर भरोसा नहीं और पैन कार्ड मान्य नहीं तो फिर आम नागरिक अपनी नागरिकता को कैसे साबित करे। निश्चित तौर पर इसका भी सरकारी व्यवस्था में है। 20 दिसंबर, 2019 को राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर यानी एनआरसी से जुड़े एक सवाल के जवाब में भारत सरकार के प्रवक्ता ने कहा था, श्जन्म की तारीख और जन्म–स्थान से जुड़े कोई भी दस्तावेज जमा करके नागरिकता साबित की जा सकती है। हालांकि, ऐसे स्वीकार्य दस्तावेजों पर अभी कोई फैसला नहीं लिया गया है।श इसमें रिलीज में कहा गया था कि जन्म की तारीख और जन्म स्थान से जुड़े कोई भी दस्तावेज जमा करके नागरिकता साबित की जा सकती है।

अमेरिका-ईरान युद्धविराम कैसे बिखर रहा है

असद

ट्रंप इस समझौते से क्या चाहते हैं यह अपेक्षाकृत स्पष्ट हैरू होर्मुज जलडमरूमध्य का फिर से खुलना ताकि ऊर्जा बाजार सुधरें और वे एक बड़ी कूटनीतिक सफलता का दावा कर सकें। जो वे स्वीकार करने को तैयार नहीं वह एक टिकाऊ समझौते का कठिन ढांचा है। सत्यापन योग्य परमाणु प्रतिबंध, ईरान के क्षेत्रीय छद्म–नेटवर्क का फ्रेमवर्क, और लेबनान में इजराइल को लगाम देने का तंत्र। इस्लामाबाद मेमोरेंडम पर हस्ताक्षर की स्याही अभी सूखी भी नहीं थी कि फारस की खाड़ी में एक बार फिर मिसाइलें और ड्रोन उड़ने लगे। वाशिंगटन और तेहरान के बीच एक हफ्ते के जवाबी हमलों नेकृजिसमें लेबनान पर इजराइल की निर्मम बमबारी भी शामिल रहीकृ यह साबित कर दिया कि जून 2026 का अमेरिका–ईरान युद्धविराम एक नाजुक ढांचा है, जो वास्तविक रणनीतिक सहमति के बजाय महज कूटनीतिक थकान के सहारे टिका हुआ है।जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने 17 जून 2026 को इस्लामाबाद मेमोरेंडम पर हस्ताक्षर किए तो दुनिया को एक उम्मीद भरी तस्वीर दिखाई दीरू 2003 की इराक जंग के बाद मध्य पूर्व का सबसे खतरनाक सैन्य टकराव आखिरकार थमता नजर आया। पाकिस्तान और कतर की महीनों की मध्यस्थता से तय हुए इस समझौते ने 2026 की ईरान जंग के स्थायी अंत के लिए बातचीत हेतु 60 दिवसीय युद्धविराम का ढांचा स्थापित किया। लेकिन दो हफ्ते भी नहीं बीते कि यह सपना चकनाचूर हो गया कृ टूटे वादों, ईरानी उकसावों, इजरायली अड़ियलपन, और एक ऐसे अमेरिकी राष्ट्रपति के अस्थिर मिजाज की भेंट चढ़ गया जो एक दिन ईरान को नेस्तनाबूद करने की धमकी देता है और अगले दिन व्यापारिक प्रलोभन पेश करता है।युद्धविराम जो कभी था ही नहीं–मौजूदा संकट को समझने के लिए यह देखना जरूरी है कि युद्धविराम अपने शुरुआती दौर से ही कितनी लड़खड़ाहट के साथ चला है। पाकिस्तान की मध्यस्थता में 7–8 अप्रैल 2026 को तय हुए दो हफ्ते के शुरुआती युद्धविराम को दोनों पक्षों ने लगभग तुरंत तोड़ दिया। कम तीव्रता की झड़पें कभी नहीं रुकीं। ट्रंप ने 21 अप्रैल को युद्धविराम को श्अनिश्चितकालश् के लिए बढ़ा दिया, फिर भी अमेरिकी सेना ने मई में ईरान में ठिकानों पर हमले किए। ईरान ने शिपिंग को निशाना बनाकर जवाबी कार्रवाई की। हर पक्ष ने दूसरे को पहल करने का दोषी ठहरायाय और दोनों ही सही थे।17 जून का मेमोरेंडम इस चक्र से बाहर निकलने का रास्ता होना था। इसके बजाय उसने इस चक्र को और तेज कर दिया। 26 जून को इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने होर्मुज जलडमरूमध्य में एक ड्रोन से सिंगापुर के झंडे वाले मालवाहक जहाज को निशाना बनाया। अमेरिकी नौसेना और वायुसेना के विमानों ने जलडमरूमध्य के आसपास ईरान के दस सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया, जिनमें निगरानी का बुनियादी ढांचा, संचार प्रणालियां, वायु रक्षा केंद्र, ड्रोन भंडारगृह और बारूदी सुरंग बिछाने की क्षमता शामिल थी।ईरान के विदेश मंत्रालय ने इन हमलों को 18 जून के मेमोरेंडम का श्स्पष्ट उल्लंघनश् करार देते हुए कहा कि इससे जाहिर होता है कि श्अमेरिकी सरकार अपनी प्रतिबद्धताओं की कोई परवाह नहीं करती।श इसके बाद ईरान ने कुवैत में अली अल–सलेम वायु अड्डे और बहरीन में अमेरिकी पांचवें बेड़े के मुख्यालय पर बैलिस्टिक मिसाइलें और ड्रोन दागे। 28 जून तक दोनों पक्ष नई वार्ता से पहले हमले रोकने पर राजी हो गए कृ मगर यह सहमति अप्रैल के युद्धविराम के बाद सबसे भीषण दो दिनों के जवाबी हमलों के बाद बनी। यह युद्धविराम नहीं है। यह एक काबू में लाई गई तनावपूर्ण स्थिति है जो कूटनीति का लबादा ओढ़े हुए है। नेतन्याहूरू एक सहयोगी जो तोड़फोड़िया बन गया अमेरिका–ईरान के नाजुक कूटनीतिक ढांचे को सबसे अधिक नुकसान पहुंचाने वाला अगर कोई है तो वह इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू हैं। जैसे–जैसे शांति वार्ता ने रफ्तार पकड़ी, इजरायल लेबनान में उलटी दिशा में बढ़ता रहा, जहां उसकी हिज्बुल्लाह के खिलाफ जंग इतनी भीषणता से जारी रही कि चार हजार से अधिक लोग मारे गए, दस लाख से ज़्यादा विस्थापित हुए और दक्षिणी लेबनान के दर्जनों गांव मलबे में तब्दील हो गए। ईरान ने हमेशा एक मांग को गैर–शर्ती रखारू किसी भी व्यापक समझौते में लेबनान पर इजरायली हमलों का अंत शामिल होना चाहिए। नेतन्याहू ने उतनी ही दृढ़ता से इनकार किया, यह मतभेद महज रणनीति का नहीं, बल्कि कहीं ज़्यादा गहरा है। मई के आखिर की रिपोर्टों के मुताबिक नेतन्याहू और उनका करीबी दायरा उभरते अमेरिका–ईरान समझौते को निजी बैठकों में श्विनाशकारीश् करार देते हैं कृ इस आशंका से कि यह ईरान की क्षेत्रीय हैसियत बहाल करेगा, जमे हुए संपत्तियां आजाद करेगा, और तेहरान के परमाणु कार्यक्रम को अस्पष्ट छोड़ देगा, खत्म नहीं करेगा। ट्रंप का डांवाडोल रवैया–अमेरिकी रणनीति की बुनियादी समस्या उसके शीर्ष की असंगति है। केवल 23 मार्च

से 9 जून के बीच ट्रंप ने कम से कम 38 बार दावा किया कि ईरान के साथ समझौता करीब है। उन्होंने ईरान को बिना शर्त आत्मसमर्पण की धमकी दी, फिर जमे हुए ईरानी संपत्तियां ईरानी जनता के लिए अमेरिकी अनाज खरीदने में इस्तेमाल करने की पेशकश की। उन्होंने मार्च के आखिर में घोषणा की कि अमेरिका ने जंग श्जीत लीश् जबकि ईरानी मिसाइलें बरसती रहीं। उन्होंने 21 जून को फोर्डो, नतांज और इस्फहान के परमाणु केंद्रों पर हमलों का आदेश दियाकृ और तीन दिन बाद युद्धविराम का ऐलान कर दिया। यह जानबूझ कर अपनाया गया रणनीतिक अस्पष्टता का हथियार नहीं हैय यह एक ऐसे नेता की अनियमित उपज है जो कोई सुसंगत मंजिल सामने रखे बिना आगे बढ़ रहा है। ईरान को हमले जारी रहने पर श्सैन्य तरीके से काम पूरा करनेश् की ट्रंप की धमकियांकृ और यह चेतावनी कि ईरानी सरकार श्अस्तित्व में नहीं रह सकतीश् कृ एक साथ अवरोधक का काम भी करती हैं और ईरानी कट्टरपंथियों को और सख्त भी बनाती हैं। ट्रंप इस समझौते से क्या चाहते हैं यह अपेक्षाकृत स्पष्ट हैरू होर्मुज जलडमरूमध्य का फिर से खुलना ताकि ऊर्जा बाजार सुधरें और वे एक बड़ी कूटनीतिक सफलता का दावा कर सकें। जो वे स्वीकार करने को तैयार नहीं वह एक टिकाऊ समझौते का कठिन ढांचा हैरू सत्यापन योग्य परमाणु प्रतिबंध, ईरान के क्षेत्रीय छद्म–नेटवर्क का फ्रेमवर्क, और लेबनान में इजराइल को लगाम देने का तंत्र। पश्चिम एशियाई सुरक्षारू एक बदला हुआ परिदृश्य–मेमोरेंडम का अंतिम भाग्य जो भी हो, 2026 की जंग पश्चिम एशिया का रणनीतिक नक्शा पहले ही इस तरह बदल चुकी है ।

सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के जन्मदिन पर पूर्व मंत्री पवन पाण्डेय ने बच्चियों को साइकिल व बैग देकर किया सम्मानित

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। बुधवार को सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के जन्मदिन के शुभ अवसर पर पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे पवन व नि0महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव ने अयोध्या विधानसभा व महानगर के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें दीर्घायु होने की कामना की।इस मौके पर पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे पवन के आवास कृष्णापुर रसूलाबाद में पूर्व मंत्री पवन ने बच्चियों को 151 साइकिल एवं बैग वितरित कर अखिलेश यादव के दीर्घायु होने की ईश्वर से कामना की। चौक में महानगर कमेटी अयोध्या अध्यक्ष के नेतृत्व में मजदूरों को मिठाई वितरित की, सपा महानगर कार्यालय लोहिया भवन पर पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे पवन व निवमहानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव, महासचिव हामीद जाफर मीसम व उपाध्यक्ष श्रीचद यादव व पार्टी के पदाधिकारी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ केक काटकर राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का जन्मदिन मनाया गया, ।पार्टी कार्यालय पर वृक्षारोपण किया गया, इस मौके पर पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे पवन ने कहा अखिलेश यादव के शासनकाल में लैपटॉप,कन्या विद्याधन, बेरोजगारी भत्ता, आदि सभी योजनाएं आज भारतीय जनता पार्टी के शासनकाल में बंद कर दी गई हैं। उन्होंने कहा आज भाजपा के शासन में प्रदेश की जनता किसान नौजवान व्यापारी सभी वर्ग परेशान है गरीबों की सारी योजनाएं बंद कर दी गई है।उन्होंने कहा कि यही नौजवान किसान बेरोजगार व्यापारी प्रदेश में खुशहाली और अमन चौन के लिए 2027 में भाजपा को प्रदेश से सत्ता से हटाकर अखिलेश यादव की सरकार बनाएंगे। मुख्य अतिथि वीरेंद्र कुमार त्रिपाठी (पूर्व प्रधानाचार्य श्याम सुंदर सरस्वती इंटर कालेज) ने कहा कि पहले वेतन सीधे वेतन खाते में नहीं आता था.लेकिन नेताजी मुलायम सिंह यादव जी मुख्यमंत्री जब मुख्यमंत्री थे तो मैंने जब नेताजी के सामने बात रखी तो उन्होंने अधिकारियों से कहा कि इसको कर दो तो अधिकारियों ने कहा कि ये सम्भव नहीं है उसपर नेता जी कहा कि सरकार में आप है कि हम है उसके बात तुरंत व्यवस्था बनी उसके बाद से वेतन सीधे खाते में आने लगा, र्निवमहानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव ने कहा आज भाजपा के शासन में सभी परीक्षाओं के पेपर लीक हो जा रहे हैं।सरकार नौजवानों को नौकरी देना नहीं चाहती उन्होंने कहा प्रदेश में होने वाले चुनाव में यही नौजवान और बेरोजगार भाजपा को सत्ता से हटाकर श्री अखिलेश यादव को पुनः मुख्यमंत्री बनाएगी, महासचिव हामीद जाफर मीसम ने कहा राष्ट्रीय अध्यक्ष का जन्मदिन पूरे प्रदेश में मनाया जा रहा है अयोध्या में सभी कार्यकर्ता उत्साहित है ,इस जन्मदिन पर यही दुआ है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पुनः मुख्यमंत्री बने जिससे इस प्रदेश में फिर से आपसी भाईचारा कायम हो,इस मौके पर नि0 महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव, महासचिव हामिद जाफर मीसम प्रदेश सचिव राम अचल यादव,उपाध्यक्ष श्रीचंद यादव, अयोध्या विधानसभा अध्यक्ष रक्षा राम यादव, मंजीत यादव,आशीष वर्मा, जगदीश यादव, गोपीनाथ वर्मा, तरजीह गौड़, अपर्णा जयसवाल, सीमा यादव, सीमा पासी, लाल बहादुर शुक्ला, राजेश कोरी, आशीष वर्मा, जगदीश यादव गोपीनाथ वर्मा शिवकुमार यादव, पंकज शर्मा, जगन्नाथ यादव वीरेंद्र गौतम राजबली यादव, सुरेंद्र यादव, सूरज वर्मा, वंशराज चौरसिया, राम भवनयादव, शैलेंद्र तिवारी डब्बू, नंदकुमार यादव, रामलाल, अनिल यादव, लल्लन पासवान, हरिशंकर तिवारी, राकेश पांडे, राम शंकर वर्मा, राम अजोर यादव, शिवांशु तिवारी नूर बाबू, सुशील कुमार, दान बहादुर सिंह,गंगाराम कनौजिया, शिवबरन यादव डॉ घनश्याम यादव शमशेर यादव, सुनील तिवारी राजनाथ यादव राम नेवल पाल, शैलेंद्र श्रीवास्तव, शालिगराम मौर्य, साधुराम यादव, नारायण प्रभु, राकेश पांडे पूनम गुप्ता, निशा खान, औरंगजेब फरीद कुरैशी,सूबेदार यादव, मनजीत सिंह, राजेश यादव, मनीष सिंह, राजेश कोरी, अवनीश प्रताप सिंह, शाहबाज लकी आदि लोग मौजूद रहे।

अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा एंटीकरप्शन कार्यालय अयोध्या जो बदहाली का शिकार

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। अपनी बदहाली पर एंटीकरप्शन कार्यालय आंसू बहा रहा है।बताते चले कि अयोध्या का एंटीकरप्शन कार्यालय जिन्हें रहने के लिए जर्जर कार्यालय दे दिया गया है वह काफी जर्जर है।बताते चले कि इस विभाग को जिसे सुधारने के लिए बैठाया जाता है अक्सर उन्हें पीड़ा से गुजरना ही पड़ता है इनका काम उस सिस्टम से लड़ना है जिनके लूट के तरीके आधुनिक है जिनका काम उस सिस्टम को पकड़ना है जो देश को दीमक के तरीके खाए जा रहे है इनका कंधों पर वह जिम्मेदारी है जो आधुनिक चोरों को पकड़ने का काम है जिनका पेट अच्छी खासी सैलरी ने नहीं भरना जिन्हें अपने शौक अपने बच्चों के परवरिश के लिए सरकारी नौकर

होते है जनता और गरीब लोगों से भीख मांगनी पड़ती है।अब ऐसे में सुधारने वाले सिस्टम को लचर और भ्रष्टाचार करने वाले को आधुनिक बनाते रहना ये जनता के साथ मजाक ही है भागने वाला चोर ब की आधुनिक व्यवस्था में वही सुधारने वाला व्यक्ति को मुगलकालीन व्यवस्था में रहने को मजबूर कर दिया जाता है।शायद यही व्यस्था बन गई है सुधारने वाले सिस्टम को जिस पर अब बड़े बदलाव की आवश्यकता है।

रामनगरी अयोध्या में धूमधाम से मनाया गया सपा प्रमुख अखिलेश यादव का जन्मदिन

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का जन्मदिन बुधवार को रामनगरी अयोध्या में सेवा, समर्पण और उत्साह के साथ धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने विभिन्न सामाजिक और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित कर उनके दीर्घायु एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।नि0 सपा जिलाध्यक्ष पारसनाथ यादव के नेतृत्व में डॉ. लोहिया इंटर कॉलेज, शेरपुर–खपरैला बाजार में बृहद पौधारोपण अभियान चलाया गया। इसके बाद समाजवादी पार्टी कार्यालय लोहिया भवन, गुलाबबाड़ी में वैदिक

मंत्रोच्चार के बीच सपा नि0 जिला अध्यक्ष पारसनाथ यादव ने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीरामचंद्र जी घर में चढ़ावें की हुई डकैती को सबसे पहले समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने खुलासा कराया जिससे भगवान राम के में हो रही चढ़ावें की लूट बंद हुई और अयोध्या वासियों तथा सपा के कार्यकर्ता, नेता व पदाधिकारियों ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव के स्वस्थ, दीर्घ एवं यशस्वी जीवन की मंगलकामना की,और भारतीय जनता पार्टी की बुद्धि की शुद्धि के लिए यज्ञ किया गया जिससे राम के घर में पड़ रही डकैती चढ़ावा पर लूट डकैती बंद हो जाए और भारतीय जनता पार्टी को होश आए उनकी बुद्धि सही से काम करे।जन्मदिन के उपलक्ष्य में अम्मा की रसोई के माध्यम से हजारों जरूरतमंदों को भोजन कराया गया। वहीं पार्टी कार्यालय में नेताओं और कार्यकर्ताओं ने केक काटकर जन्मदिन मनाया तथा मिठाई बांटकर एक–दूसरे को शुभकामनाएं दीं।वक्ताओं ने कहा कि अखिलेश यादव सामाजिक न्याय, विकास और लोकतांत्रिक मूल्यों के सशक्त प्रहरी हैं तथा उनके नेतृत्व में समाजवादी विचारधारा लगातार मजबूत हो रही है। सपा के निवर्तमान प्रवक्ता लवलेश पांडेय ने बताया कि इस अवसर पर पूर्व मंत्री आनंद सेन यादव, जिला महासचिव बख्तियार खान, जिला उपाध्यक्ष आकिब खान, बाबूराम गोंड, रामकरण यादव, शिवकुमार यादव, गोविंद विश्वकर्मा, अंसार अहमद,सीताराम यादव, वसी हैदर गुड्डू, राकेश चौरसिया, रामबरन यादव, जितेंद्र यादव, जुनैद खान, विशाल यादव, जगराम यादव, पूजा वर्मा, हरिकिशन यादव शपिंटू, अवनीश विश्वकर्मा, अमन यादव, सोनू विश्वकर्मा,अखंड यादव,जय सिंह राणा, चौधरी राकेश राणा एडवोकेट, शशीनंद एडवोकेट, वीरेंद्र यादव एडवोकेट, शिव यादव एडवोकेट सहित बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं समर्थक उपस्थित रहे।

'राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ विवेक कुमार मिश्रा का रेडक्रॉस द्वारा सम्मान'

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'शाहजहांपुर' राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी द्वारा मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ विवेक कुमार मिश्रा का शॉल ओढ़ाकर, पुष्पमाला व रेडक्रॉस मेडल पहनाकर , स्मृति–चिह्न एवं प्रशस्ति–पत्र रेडक्रॉस सोसाइटी के सचिव डॉ विजय जौहरी द्वारा ससम्मान प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रशस्ति–पत्र में डॉ विवेक कुमार मिश्रा के जनपद में उत्कृष्ट स्वास्थ्य प्रबंधन, जनकल्याणकारी स्वास्थ्य सेवाओं के कुशल संचालन तथा स्वास्थ्य विभाग एवं इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के मध्य प्रभावी समन्वय स्थापित कर मानव सेवा के क्षेत्र में दिए गए उल्लेखनीय योगदान की सराहना की गई। सीएमओ डॉ विवेक कुमार मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी मानवता, सेवा और समर्पण का सशक्त प्रतीक है। रेडक्रॉस द्वारा आयोजित स्वास्थ्य शिविर, रक्तदान अभियान, आपदा राहत, जन–जागरूकता एवं अन्य मानवीय सेवाएँ समाज के लिए अत्यंत प्रेरणादायी हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग और रेडक्रॉस का यह समन्वय भविष्य में भी जनहित में और अधिक प्रभावी ढंग से कार्य करता रहेगा।

रेडक्रॉस सोसाइटी के सचिव डॉ विजय जौहरी ने कहा कि डॉ विवेक कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन एवं सहयोग से जनपद में अनेक स्वास्थ्य एवं जन–जागरूकता कार्यक्रम सफलतापूर्वक संचालित हुए हैं। उनके सहयोग से रेडक्रॉस की मानवीय सेवाओं को नई गति, नई ऊर्जा और व्यापक जनविश्वास प्राप्त हुआ है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने डॉ विवेक कुमार मिश्रा की जनस्वास्थ्य के प्रति समर्पित सेवाओं तथा इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी द्वारा संचालित मानवतावादी कार्यों की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए जनहित में ऐसे समन्वय को और अधिक सुदृढ़ बनाने का संकल्प व्यक्त किया। इस अवसर पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्साधिकारी उस्मान अली खान, डॉ मसरूर अहमद,डॉ मुजीब खान, सीटू के जिलाअध्यक्ष मुरारी दीक्षित, टीवी क्लिनिक के आशीष श्रीवास्तव, ओम जन कल्याण विकलांग समिति के अध्यक्ष बालकृष्ण पाण्डेय, बृजेश गुप्ता, रवि बाबू, रेडक्रॉस के आजीवन सदस्य अवनीश सक्सेना, नवजोत सिंह आदि कई रेडक्रॉस के सदस्य व कार्यकर्ता लोग शामिल रहे।

संक्षिप्त खबरें

चिनहट के स्टे होम की पांचवीं मंजिल पर लगी आग

लखनऊ, (संवाददाता)। चिनहट क्षेत्र में सोमवार सुबह एक स्टे होमध्अपार्टमेंट की पांचवीं मंजिल पर आग लगने से अफरा–तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और करीब 30 मिनट की मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। राहत की बात यह रही कि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई और भवन में ठहरे सभी लोग सुरक्षित बाहर निकाल लिए गए।पुलिस के अनुसार सोमवार सुबह करीब 8रू45 बजे थाना चिनहट क्षेत्र के नंदी विहार कॉलोनी स्थित रामा डिग्री कॉलेज के निकट फै हाईट्स नामक भवन की पांचवीं मंजिल पर आग लगने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही थाना चिनहट पुलिस मौके पर पहुंची और तत्काल अग्निशमन विभाग को सूचित करते हुए राहत एवं बचाव अभियान शुरू कराया।पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था संभालते हुए भवन में मौजूद लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला और अग्निशमन विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर आग बुझाने में सहयोग किया। सूचना पर फायर स्टेशन गोमतीनगर से दो मोटर फायर टेंडर तथा फायर स्टेशन इंदिरानगर से एक अग्निशमन इकाई मौके पर पहुंची। अग्निशमन कर्मियों ने होज पाइप के माध्यम से आग बुझाने का अभियान शुरू किया।जांच के दौरान पाया गया कि आग केवल पांचवीं मंजिल पर स्थित एक कमरे तक सीमित थी। करीब आधे घंटे के अथक प्रयास के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया, जिससे वह भवन के अन्य हिस्सों में फैलने से रोक दी गई।प्रारंभिक जानकारी के अनुसार भवन के स्वामी तौकीर सिद्दीकी हैं, जो इसका उपयोग स्टे होम और कार्यालय के रूप में करते हैं।

कुर्सी रोड स्थित मार्केट में लगी भीषण आग, पुलिस और फायर सर्विस की तत्परता से टला बड़ा हादसा

लखनऊ, (संवाददाता)। विकासनगर थाना क्षेत्र के कुर्सी रोड स्थित महावीर इंटर कॉलेज के सामने सोमवार दोपहर एक मार्केट में आग लगने से अफरा–तफरी मच गई। आग जूता–चप्पल की दुकानों में लगी थी, जिसके पीछे रिहायशी मकान भी बने हुए हैं। पुलिस और अग्निशमन विभाग की त्वरित कार्रवाई से आग पर समय रहते काबू पा लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। घटना में किसी प्रकार की जनहानि या घायल होने की सूचना नहीं है।पुलिस के अनुसार सोमवार को करीब 11रू58 बजे कुर्सी रोड स्थित मार्केट में आग लगने की सूचना मिली। प्रारंभिक जानकारी में सामने आया कि मार्केट के भूतल और प्रथम तल पर मोहम्मद समीर एवं मोहम्मद हसीन की जूता–चप्पल की दुकानें संचालित हैं। दुकानों के पीछे कई रिहायशी मकान भी स्थित हैं, जिससे आग फैलने की आशंका बढ़ गई थी।सूचना मिलते ही थाना प्रभारी विकासनगर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। एहतियात के तौर पर आसपास के मकानों को खाली कराया गया तथा घरों में रखे एलपीजी सिलेंडर और अन्य ज्वलनशील सामान सुरक्षित बाहर निकलवाए गए।घटना की सूचना पर इंदिरानगर, हजरतगंज और बीकेटी अग्निशमन केंद्रों से फायर यूनिट मौके के लिए रवाना की गईं। सबसे पहले इंदिरानगर फायर स्टेशन की टीम करीब 12रू11 बजे घटनास्थल पर पहुंची और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। बाद में अन्य फायर यूनिटों के पहुंचने पर संयुक्त रूप से आग पर काबू पाने का कार्य किया गया।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के राष्ट्रवादी विचार आज भी देश का मार्गदर्शन कर रहे हैं -संचिता सिंह चौहान

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर आयोजित श्रसंस्मरण पखवाड़ाश के तहत बुधवार को भाजपा की ओर से भव्य कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारियों, वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। सम्मेलन की शुरुआत डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। मुख्य वक्ता एवं प्रदेश मंत्री संचिता सिंह चौहान ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का पूरा जीवन राष्ट्रसेवा और अखंड भारत के संकल्प को समर्पित था। उन्होंने कहा कि ष्एक देश में दो निशान, दो प्रधान और दो विधान नहीं चलेंगेष् का उनका नारा केवल उद्घोष नहीं, बल्कि राष्ट्र की एकता के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक था। उन्होंने कहा कि कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटना उनके बलिदान को सच्ची श्रद्धांजलि है। विशिष्ट अतिथि हरिश्चन्द्र सिंह ने कहा कि नेहरू–लियाकत समझौते से असहमति के कारण डॉ. मुखर्जी ने केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा दिया और वर्ष 1951 में भारतीय जनसंघ की स्थापना कर राष्ट्रवादी विचारधारा को नई दिशा दी। उन्होंने जम्मू–कश्मीर में लागू परमिट व्यवस्था का विरोध करते हुए देश की एकता के लिए आजीवन संघर्ष किया। विशिष्ट अतिथि सुशील उपाध्याय ने डॉ. मुखर्जी के शैक्षिक और औद्योगिक योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि मात्र 33 वर्ष की आयु में वे कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे युवा कुलपति बने। उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री के रूप में उन्होंने देश के औद्योगिक विकास की मजबूत नींव रखी। जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति ने कहा कि 23 जून 1953 को श्रीनगर में हिरासत के दौरान डॉ. मुखर्जी का निधन हो गया, लेकिन उनका बलिदान व्यर्थ नहीं गया। उनके संघर्षों के परिणामस्वरूप कश्मीर से परमिट व्यवस्था समाप्त हुई और आज उनके विचार श्एक भारत, श्रेष्ठ भारतश के संकल्प को मजबूत कर रहे हैं। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री अजय सिंह ने किया। इस अवसर पर पीयूष गुप्ता, विनय सिंह, अमित श्रीवास्तव, अंशु कुशवाहा, पुष्पा निषाद, रीता जायसवाल, आमोद सिंह सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

डॉक्टर्स डे पर यश हॉस्पिटल में निःशुल्क शिविर

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे के अवसर पर यश हॉस्पिटल एंड ट्रामा सेंटर में बुधवार को निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। मरीजों की लंबी कतारें सुबह से ही देखी गईं। शिविर में रक्तचाप (बीपी), ब्लड शुगर और हड्डियों की मजबूती के लिए बोन मिनरल डेंसिटी (बीएमडी) जैसे महत्वपूर्ण टेस्ट निःशुल्क किए गए। ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. अवनीश कुमार सिंह (एमबीबीएस, एमएस ऑर्थो) ने मरीजों की जांच की, रिपोर्ट के आधार पर परामर्श दिया और जरूरतमंदों को निःशुल्क दवाएं भी वितरित कीं। सैकड़ों मरीजों ने इन स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। इस अवसर पर डॉ. अवनीश कुमार सिंह ने स्वास्थ्य जांच के महत्व पर

जोर दिया। उन्होंने कहा कि कई बीमारियां शुरुआती चरण में बिना किसी स्पष्ट लक्षण के होती हैं, इसलिए समय–समय पर जांच कराना आवश्यक है। उन्होंने यह भी बताया कि भविष्य में भी समाजहित में ऐसे निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाते रहेंगे। शिविर को सफल बनाने में चंदन, पवन, अरुण, अलीम, अंकित, अभिषेक, विशाल, अमित और महिला स्टाफ में ज्योति, पूर्णिमा, प्रीति, शिखा सहित अन्य सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उनके सहयोग से शिविर का संचालन सफलतापूर्वक और सुव्यवस्थित ढंग से किया गया।

बिजली के पोल से चिपकी छात्रा, बचाने दौड़े भाई की करंट से मौत

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के गोंडा में एलबीएस गेट के सामने स्ट्रीट वेंडिंग जोन के पास मंगलवार को दर्दनाक हादसा हो गया। यहां बहन को बचाने के प्रयास में युवक की करंट लगने से मौत हो गई। वहीं, बहन अस्पताल में खतरे से बाहर बताई जा रही है। बताया गया कि मूल रूप से बहराइच जनपद के भग्गड़वा

बाजार निवासी सरयू डिग्री कॉलेज की बीएड की छात्रा प्राची अपने भाई विमल के साथ परीक्षा देने आई थी। यहां कॉलेज के बाहर लगे शेड के पास स्ट्रीट लाइट के पोल में करंट आ रहा था। प्राची न जाने कैसे पोल से छू गई और उसे करंट लगा। वह पोल से चिपक गई। भाई विमल ने देखा तो बहन को बचाने का प्रयास किया। उसने बहन को खींचकर अलग कर दिया, लेकिन खुद चिपका रहा गया। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद अफरातफरी मच गई। लोगों की मदद से प्राची को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया। वहां चिकित्सकों ने उसकी हालत खतरे से बाहर बताई है। पावर कॉरपोरेशन के देवीपाटन जोन के मुख्य अभियंता यदुनाथ यथार्थ ने बताया कि नगर पालिका द्वारा लगाए गए स्ट्रीट लाइट के पोल में स्पार्किंग अथवा शॉर्ट सर्किट के कारण लीकेज करंट उतर गया था। इसके संपर्क में आने से यह हादसा हो गया। संबंधित पोल का अनुरक्षण नगर पालिका द्वारा किया जाता है। प्रथम दृष्टया इसमें विद्युत विभाग की कोई भूमिका नहीं है।

सीलिंग अभियान तीन दिन में ही पड़ा ठंडा

लखनऊ, (संवाददाता)। बिना फायर सेफ्टी वाली अवैध बिल्डिंगों के खिलाफ तीन सप्ताह के लिए जोर–शोर से शुरू हुआ एलडीए, अग्निशमन और विद्युत सुरक्षा निदेशालय का अभियान तीन दिन में ही ठंड पड़ गया है। बीते दो दिन में संयुक्त टीम ने शहर में एक भी अवैध बिल्डिंग सील नहीं की है, जबकि बिना सुरक्षा वाली जानलेवा बिल्डिंगों में काम खुलेआम जारी है। अलीगंज में अग्निकांड 22 जून को हुआ था। इसके बाद बिना फायर सेफ्टी वाली अवैध बिल्डिंगों के खिलाफ अभियान शुरू हुआ था। पहले दिन एलडीए ने 71 बिल्डिंगें सील की थीं और 83 को नोटिस जारी किया था। इसी दिन एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार ने बयान जारी कर कहा था कि अभियान तीन सप्ताह तक चलेगा। उसके बाद बृहस्पतिवार को 55 और बिल्डिंगें सील की गईं, 78 को नोटिस जारी किया गया, मगर शुक्रवार को अभियान नहीं चला। बताया गया कि मुहर्रम के चलते अभियान नहीं चलाया जा सका। इसके बाद शनिवार को अलीगंज इलाके में कुछ बिल्डिंगों को सील किया। उसके अलावा शहर

में किसी भी बिल्डिंग को सील करने की जानकारी एलडीए ने जारी नहीं की। रविवार और सोमवार को भी कोई कार्रवाई नहीं की गई। खतरनाक बिल्डिंगों के खिलाफ एलडीए की यह कार्रवाई रस्मअदायगी होगी, इसका अनुमान पहले ही लगाया जा रहा था, लेकिन इतनी जल्दी अभियान ठंडा पड़ जाएगा, यह उम्मीद लोगों को कम थी, क्योंकि अवैध बिल्डिंग में आग लगने से 15 लोगों की जान गई थी। हैरानी की बात यह है कि एलडीए ने उस अलीगंज इलाके में ही खतरनाक बिल्डिंगों पर पूरी तरह कार्रवाई नहीं की, जहां हादसा हुआ था। अलीगंज में आंचलिक विज्ञान केंद्र के सामने, उसके आसपास और कपूरथला चौराहे से नेहरू वाल वाटिका तिराहा, पुरनिया चौराहे की ओर जाने वाले रोड पर बड़े–बड़े शोरूम, रेस्टोरेंट और अस्पताल बिना सुरक्षा मानक के चल रहे हैं।

डीएम ने निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों एवं मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ किया बैठक

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। जिलाधिकारीधजिला निर्वाचन अधिकारी शशांक त्रिपाठी की अध्यक्षता में भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार बुधवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में मतदेय स्थलों के सम्भाजन के सम्बन्ध में समस्त निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों एवं मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की गई।जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदेय स्थल के सम्भाजन के सम्बन्ध में आयोग द्वारा जारी समय सारणी के क्रम में बताया कि 24 जून से 28 जून 2026 तक मतदेय स्थलों का भौतिक सत्यापन, पुनर्निर्धारण एवं नये मतदेय स्थल स्थापित करने हेतु भवनों का चिन्हांकन किया गया।29 जून से 01 जुलाई 2026 तक मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर मतदेय स्थलों के प्रस्ताव तैयार कराना।दिनांक 04 जुलाई 2026 से आपत्तियों एवं सुझावों हेतु मतदेय स्थलों की आलेख्य सूची का प्रकाशन व मतदेय स्थलों की आलेख्य सूची मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को उपलब्ध कराया जायेगा।दिनांक 18 जुलाई 2026 से वर्तमान सांसद सदस्यों,विधानसभा सदस्यों तथा मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के साथ बैठकों के आयोजन के पश्चात शिकायतों एवं सुझावों के निस्तारण के बाद सूची को अंतिम रूप दिया जाना है।दिनांक 25 जुलाई, 27 जुलाई व 28 जुलाई 2026 को जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा सभी संलग्नकों सहित मतदेय स्थलों का प्रस्ताव मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय को आयोग के अनुमोदनार्थ भेजने हेतु उपलब्ध कराया जाना है।दिनांक 31 जुलाई 2026 को मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय द्वारा सम्भाजन सम्बंधी प्रस्ताव आयोग के अनुमोदनार्थ प्रेषित किया जाना है।जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि ऐसे मतदेय स्थल जिनपर 1200 से अधिक एवं 300 से कम मतदाता थे उनका समायोजन उसी मतदान केन्द्र में बने मतदेय स्थलों पर करते हुए निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा तैयार किये गये प्रस्ताव को मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों को विवरण विधानसभावार उपलब्ध कराया गया।जिसमें 271 रुदौली में वर्तमान में 413 मतदेय स्थल, जिसमें अब केवल 407 मतदेय स्थल है। इसी तरह 273 मिल्कीपुर (अ0जा0) में 443 मतदेय स्थलों में 442 मतदेय स्थल, 274 बीकापुर में 443 मतदेय स्थलों में 435 मतदेय स्थल, 275 अयोध्या में 419 मतदेय स्थलों में 411 मतदेय स्थल व 276 गोशाईगंज में 475 मतदेय स्थलों में 452 मतदेय स्थल है। इस तरह जनपद में 2193 मतदेय स्थलों में 2147 मतदेय स्थल है।जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा समस्त मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से अनुरोध किया गया कि आयोग की मंशा के अनुसार जिन मतदेय स्थलों के भवन पुराने व जर्जर हो तथा जहाँ मतदेय स्थल की दूरी 02 कि०मी० से अधिक हो तथा मतदेय स्थल पर मतदाताओं की संख्या–1200 से अधिक हो ऐसे मतदेय स्थलों के सम्बन्ध में संशोधन प्रस्ताव तीन दिवस के अन्दर सम्बन्धित उप जिलाधिकारी कार्यालय अथवा जिला निर्वाचन कार्यालय, अयोध्या में उपलब्ध कराने का कष्ट करें। बैठक में श्री विशु राजा, उप जिला निर्वाचन अधिकारी,अरविन्द कुमार, उप जिलाधिकारी, सदर,श्रेया, उप जिलाधिकारी, बीकापुर,सुधीर कुमार, उप जिलाधिकारी मिल्कीपुर सविता देवी, उप जिलाधिकारी, सोहावल तथा विजय कुमार गुप्ता, तहसीलदार, रुदौली एवं मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि राघवेन्द्र नारायण पाण्डेय भा0ज0पा0, मुस्तफा अली, बी0एस0पी0, विनोद सिंह, सी०पी०आई०एम, अन्सार अहमद, स0पा0, उमेश उपाध्याय, भा0रा0कांग्रेस, राम प्रकाश वर्मा, अपनादल (एस), श्री अखण्ड प्रताप सिंह, भा0ज0पा0, सत्य प्रकाश मौर्या, एड0 आम आदमी पार्टी एवं द्वारा प्रतिभाग किया गया।

महिलाओं के लिए नगर निगम ने राम की पैड़ी पर बनवाए 10 चेंजिंग रूम

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। राम की पैड़ी पर स्नान के लिए आने वाली महिला श्रद्धालुओं को चेंजिंग रूम की सुविधा निशुल्क सुलभ होगी। यह पहल नगर निगम ने महापौर के निर्देश पर की है।नगर आयुक्त जयेन्द्र कुमार के निर्देश पर उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने राम की पैड़ी पर महिलाओं के लिए 10 चेंजिंग रूम स्थापित किए हैं। इससे महिला श्रद्धालुओं को स्नान के उपरांत सुरक्षित, सम्मानजनक एवं सुविधाजनक वातावरण में वस्त्र परिवर्तन की सुविधा उपलब्ध होगी।नगर निगम के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश पांडे के अनुसार पिछले कुछ समय से स्थानीय नागरिकों तथा विभिन्न राज्यों से अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं द्वारा राम की पैड़ी पर महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम की व्यवस्था किए जाने की मांग की जा रही थी।जोनल अधिकारी अयोध्या धाम अशोक कुमार गुप्ता ने बताया कि रामनगरी में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं पर्यटक पहुंचते हैं। ऐसे में श्रद्धालुओं की मूलभूत सुविधाओं का विस्तार प्रशासन की प्राथमिकता है।महिलाओं की गरिमा, सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए स्थापित किए गए चेंजिंग रूम पूरी तरह निःशुल्क हैं।

सभी बीज व्यवसाई 31 जुलाई 2026 तक साथी पोर्टल पर अनिवार्य रूप से कराये ऑनबोर्ड रजिस्ट्रेशन

अयोध्या। जिला कृषि अधिकारी डॉ सौरभ वर्मा ने सभी बीज व्यवसायियों से अपील किया है कि वे 31 जुलाई 2026 तक ष्साथी पोर्टलष पर अनिवार्य रूप से ऑनबोर्ड पर रजिस्ट्रेशन कराये।बताया कि शासन के निर्देशानुसार निर्धारित समयावधि के भीतर साथी पोर्टल पर पंजीकरणध ऑनबोर्डिंग पूर्ण करना सभी बीज व्यवसायियों के लिए आवश्यक है।अन्यथा निर्धारित तिथि तक ऑनबोर्डिंग न करने की स्थिति में शासन द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार आवश्यक कार्रवाई की जा सकती है। बताया का सभी बीज विक्रेता,थोक विक्रेता के साथ साथ वितरक,निर्माता एवं अन्य संबंधित बीज व्यवसायी बिना विलंब के अपनी ऑनबोर्डिंग प्रक्रिया पूर्ण करें।यदि किसी प्रकार की तकनीकी अथवा अन्य समस्या आती है तो संबंधित कृषि विभागधजिला कृषि अधिकारी कार्यालय, अयोध्या से संपर्क करें।

प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों की जर्जर इमारतें बनी है खतरा

अयोध्या।जिले मे अधिकतर विकास खंडो मे प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों की जर्जर इमारतें खतरा बनी हुई हैं।इन स्कूलों पर छतों से प्लास्टर गिर रहा है तो कहीं दीवारों में पड़ी गहरी दरारें किसी बड़े हादसे की आशंका को बढ़ा रही हैं।ग्रामीणों और अभिभावकों का कहना है कि अधिकतर विद्यालय भवनों की जर्जर स्थिति की जानकारी कई बार शिक्षा विभाग के अधिकारियों को दी जा चुकी है,लेकिन अभी तक ठोस कार्रवाई नहीं हुई।बारिश के दिनों में भवनों की स्थिति और भी चिंताजनक हो जाती है।ऐसे में यदि कोई हादसा होता है तो इसकी जिम्मेदारी किसकी होगी,यह बड़ा सवाल है।देखा जाए तो जिले मे शहर से लेकर विकासखंड मसौधा,अमानीगंज, बीकापुर,तारुन सहित कई ऐसे विकासखंड हैं जहां पर 250 वर्ष से 300 वर्ष पूर्व बने प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक विद्यालय शामिल हैं।जो पूर्ण रूप से जर्जर अवस्था में हो चुके हैं इसको गिरने की कवायद पिछले वर्ष पूर्व जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अवनीश कुमार पांडे के समय भी हुई थी उस समय भी एक समिति का गठन हुआ था। जो ठंडे बस्ते मे चला गया।लेकिन आज तक जर्जर प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक विद्यालयों को ना तो ध्वस्तीकरण करने की कवायव की गई और ना ही मरम्मत करने की।जिसका नतीजा यह रहा कि इस वर्ष भी इन जगहों पर जर्जर अवस्था में विद्यालय हैं।इस संबंध में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी लाल लाल चंद्र ने बताया कि जिले में कुल 222 ऐसे विद्यालय हैं जो की ध्वस्तीकरण करने योग्य हैं जबकि 42 प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक ऐसे विद्यालय हैं जिनका मरम्मत कराए जाने योग्य है। बताया कि इस संबंध में उच्च अधिकारियों को पत्राचार किया जा रहा है और वहां से आदेश मिलते ही आगे की कार्यवाही की जाएगी।

जिला जज ने डीएम व एसएसपी के साथ किया जिला कारागार का निरीक्षण

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। जिला जज रणंजय कुमार वर्मा ने जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ गौरव ग्रोवर के साथ मंगलवार देर शाम जिला कारागार अयोध्या का संयुक्त निरीक्षण किया।इस मौके पर उन्होंने वहां की सुरक्षा व्यवस्था,बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही मूलभूत सुविधाओं तथा प्रशासनिक व्यवस्थाओं का व्यापक जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सुधांशु शेखर उपाध्याय, जेल अधीक्षक मुकेश कुमार पटेल, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की प्रभारी सचिव स्वर्ण माला सिंह तथा जेलर अंजली वर्मा भी उपस्थित रहीं।अधिकारियों ने कारागार की विभिन्न बैरकों, चिकित्सालय, रसोईघर, स्वच्छता व्यवस्था, पेयजल, भोजन की गुणवत्ता, स्वास्थ्य सुविधाओं एवं सुरक्षा प्रबंधों का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने कारागार प्रशासन को निर्देशित किया कि सभी बंदियों को शासन के निर्धारित मानकों के अनुरूप आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं तथा स्वच्छता, सुरक्षा एवं अनुशासन के उच्च मानकों का हर स्थिति में पालन सुनिश्चित किया जाए।

राजीव गांधी राष्ट्रीय विमानन विश्वविद्यालय,अमेठी के विद्यार्थियों ने एक माह का इंटर्नशिप प्रशिक्षण किया पूर्ण

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।राजीव गांधी राष्ट्रीय विमानन विश्वविद्यालय, अमेठी (उत्तर प्रदेश) के 12 विद्यार्थियों ने महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, अयोध्याधाम में 01 जून 2026 से 30 जून 2026 तक आयोजित एक माह का इंटर्नशिप प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण किया।इंटर्नशिप के दौरान विद्यार्थियों को एयरपोर्ट के विभिन्न विभागों जैसे सिविल, इलेक्ट्रिकल, प्रचालन, सीएनएस, एटीसी, कमर्शियल तथा अन्य महत्वपूर्ण विभागों की कार्यप्रणाली का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त उन्हें एयरपोर्ट पर कार्यरत विभिन्न एयरलाइंस, सीआईएसएफ तथा अन्य हितधारकों के कार्यों एवं विमानन क्षेत्र की वास्तविक कार्यप्रणाली से भी अवगत कराया गया।इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों ने एयरपोर्ट संचालन, यात्री सुविधाओं, सुरक्षा व्यवस्था तथा विभिन्न विभागों के समन्वित कार्यों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की।साथ ही उन्हें विमानन उद्योग के व्यावहारिक पहलुओं को निकटता से समझने का अवसर भी मिला, जिससे उनके ज्ञान, कौशल एवं व्यावसायिक दृष्टिकोण का विकास हुआ। इंटर्नशिप कार्यक्रम के समापन

अवसर पर 30 जून 2026 को विमानपत्तन निदेशक धीरेंद्र सिंह ने सभी 12 विद्यार्थियों को इंटर्नशिप सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर प्रमाण–पत्र प्रदान किए।इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि व्यावहारिक प्रशिक्षण विद्यार्थियों के ज्ञान, कौशल एवं आत्मविश्वास को सुदृढ़ करता है तथा उन्हें विमानन उद्योग की वास्तविक कार्यप्रणाली को समझने का उत्कृष्ट अवसर प्रदान करता है।विद्यार्थियों ने भी अयोध्या एयरपोर्ट पर प्राप्त प्रशिक्षण एवं अनुभव को अपने शैक्षणिक एवं व्यावसायिक जीवन के लिए अत्यंत उपयोगी बताते हुए एयरपोर्ट प्रशासन तथा सभी विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया।अयोध्या एयरपोर्ट प्रशासन भविष्य में भी शैक्षणिक संस्थानों के साथ इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से भावी विमानन पेशेवरों को गुणवत्तापूर्ण व्यावहारिक अनुभव उपलब्ध कराने हेतु निरंतर प्रयासरत रहेगा।अयोध्या एयरपोर्ट विद्यार्थियों के कौशल उन्नयन एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण के लिए सदैव तत्पर एवं स्वागतशील है। एयरपोर्ट प्रशासन देश के विभिन्न महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थानों के विद्यार्थियों को ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों का लाभ उठाने के लिए आमंत्रित करता है,जिससे उन्हें विमानन क्षेत्र की वास्तविक कार्यप्रणाली को समझने, अपने ज्ञान एवं कौशल को विकसित करने तथा भविष्य के लिए बेहतर व्यावसायिक अवसर प्राप्त करने में सहायता मिल सके।

जर्जर भवनों के साए में पढ़ रहे नौनिहाल, बारिश

मानसून की तेज बारिश के बीच जिले के कई प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों की जर्जर इमारतें बच्चों की जान पर खतरा बनी हुई हैं। कहीं छतों से प्लास्टर गिर रहा है तो कहीं दीवारों में पड़ी गहरी दरारें किसी बड़े हादसे की आशंका को बढ़ा रही हैं। इसके बावजूद नौनिहाल इन्हीं भवनों में बैठकर शिक्षा ग्रहण करने को मजबूर हैं। ग्रामीणों और अभिभावकों का कहना है कि विद्यालय भवनों की जर्जर स्थिति की जानकारी कई बार संबंधित अधिकारियों को दी जा चुकी है, लेकिन अभी तक ठोस कार्रवाई नहीं हुई। बारिश के दिनों में भवनों की स्थिति और भी चिंताजनक हो जाती है। ऐसे में यदि कोई हादसा होता है तो इसकी जिम्मेदारी किसकी होगी, यह बड़ा सवाल है। क्षेत्रीय लोगों ने जिला प्रशासन और बेसिक शिक्षा विभाग से तत्काल जर्जर विद्यालयों का निरीक्षण कर सुरक्षित व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है। उनका कहना है कि बच्चों की सुरक्षा किसी भी कीमत पर खतरे में नहीं डाली जानी चाहिए।

प्रभावशाली समापन

यदि समय रहते जर्जर विद्यालयों की सुध नहीं ली गई, तो किसी भी दिन मासूमों की किलकारियां चीखों में बदल सकती हैं।

मानसून की दस्तक के साथ जिले के कई प्राथमिक विद्यालयों की जर्जर इमारतें नौनिहालों की सुरक्षा पर बड़ा सवाल खड़ा कर रही हैं। वर्षों पुराने भवनों की छतों से प्लास्टर झड़ रहा है, दीवारों में गहरी दरारें पड़ चुकी हैं और कई कमरों की हालत बेहद खराब है। इसके बावजूद इन्हीं कमरों में बच्चों की पढ़ाई कराई जा रही है। अभिभावकों का कहना है कि बारिश के दौरान कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है, लेकिन जिम्मेदार विभाग समय रहते भवनों की मरम्मत या वैकल्पिक व्यवस्था नहीं कर रहा। विशेषज्ञ भी मानते हैं कि लगातार बारिश से कमजोर भवनों के ढहने का खतरा बढ़ जाता है, और देश में ऐसे हादसे पहले भी हो चुके हैं। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि प्रशासन तत्काल सभी जर्जर विद्यालयों का सुरक्षा ऑडिट कराकर असुरक्षित भवनों को बंद करे तथा बच्चों के लिए सुरक्षित स्थान पर पढ़ाई की व्यवस्था सुनिश्चित करे। उनका कहना है कि किसी हादसे के बाद कार्रवाई करने से बेहतर है कि पहले ही प्रभावी कदम उठाए जाएं।

सरल स्वभाव, सटीक उपचार और सेवा भाव के कारण विश्वास का पर्याय बने ईएनटी स्पेशलिस्ट डॉ गौरव श्रीवास्तव

अयोध्या। शहर के शक्तिनगर कालोनी मे स्थित कैलाश ईएनटी हास्पिटल के चिकित्सक डॉ गौरव श्रीवास्तव का मुख्य प्रयास यही रहता है कि जटिल से जटिल कान, नाक एवं गला रोगों से पीड़ित मरीजों का कम पैसे में बेहतर उपचार हो।जिसके चलते उनके यहां सिर्फ अयोध्या जनपद से ही नहीं आसपास पड़ोसी जिलों से नाक कान गला रोग से पीड़ित मरीज अपना इलाज करने आते हैं। बताते चले आज राष्ट्रीय डॉक्टर दिवस होने के नाते आसपास के हुए मरीज जो उनके इलाज से ठीक हो चुके हैं उन्होंने उनके अस्पताल पर आकर उन्हें बधाई भी दिया। मालूम हो कि इस मौके पर शहर के प्रसिद्ध ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. गौरव के प्रति मरीजों और नागरिकों ने विशेष सम्मान व्यक्त किया।वे अपने सरल स्वभाव, सटीक उपचार और सेवा भाव के कारण के विश्वास का पर्याय बन चुके हैं। वहां पर इलाज करने आने वाले रोगियों का मानना है कि वे पीड़ित मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के साथ–साथ वे मरीजों की समस्याओं को धैर्यपूर्वक सुनकर उनका समाधान करते हैं।यही कारण है कि दूर–दराज क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में लोग उनके पास उपचार के लिए पहुंचते हैं।राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर स्थानीय लोगों ने कहा कि ऐसे समर्पित चिकित्सक समाज के लिए किसी वरदान से कम नहीं हैं।मानव सेवा के प्रति उनकी निष्ठा और मरीजों के प्रति संवेदनशीलता उन्हें चिकित्सा जगत में विशिष्ट पहचान प्रदान करती है। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर नागरिकों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि डॉ. गौरव जैसे चिकित्सक स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

डॉक्टर्स डे पर नन्हे बच्चों ने डॉक्टरों का किया सम्मान

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे के अवसर पर रामनगरी अयोध्या स्थित श्री राम अस्पताल में कनक किड्स इंटरनेशनल स्कूल के बच्चों ने डॉक्टरों के साथ उत्साहपूर्वक डॉक्टर्स डे मनाया।स्कूल के लगभग 20 बच्चों ने अस्पताल पहुंचकर डॉक्टरों को बुके और गुलाब भेंट किए तथा केक काटकर उनका सम्मान किया अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजय मोहन भास्कर ने कहा कि स्कूल की यह पहल सराहनीय है। उन्होंने कहा कि बच्चों के अस्पताल आने से उन्हें चिकित्सा सेवा और डॉक्टरों के कार्यों को नजदीक से समझने का अवसर मिलेगा, जिससे उनमें सेवा की भावना विकसित होगी अस्पताल के प्रशासनिक अधिकारी यश प्रकाश सिंह ने कहा कि

बच्चों की सहभागिता बेहद प्रेरणादायक है। उन्होंने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भविष्य में अधिक से अधिक बच्चे डॉक्टर बनें और समाज की सेवा करें कार्यक्रम में स्कूल की एडमिनिस्ट्रेशन प्रीति सिंह, शिक्षिका ऋषि शुक्ला और साक्षी यादव उपस्थित रहीं। वहीं अस्पताल की ओर से डॉ. यूजर अहमद अंसारी, डॉ. विवेक राय, डॉ. आदित्य प्रकाश, डॉ. आर.के. राय, डॉ. मनीषा गुप्ता, डॉ. नमन सहित अन्य चिकित्सक मौजूद रहे।

सूत्रों के मुताबिक राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की रिपोर्ट आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को भेजी गई

अयोध्या। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की रिपोर्ट राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत को भेज दी गई है।यह रिपोर्ट पूर्वी उत्तर प्रदेश के क्षेत्र प्रचारक अनिल कुमार ने तैयार की है।संघ प्रमुख के कहने पर उन्होंने अयोध्या में तीन दिवस प्रवास किया था।सूत्रों के अनुसार, क्षेत्र प्रचारक ने अपनी रिपोर्ट में राम मंदिर की व्यवस्थाओं, ट्रस्ट की कार्यप्रणाली और चढ़ावा चोरी का पूरा ब्योरा दिया है।अयोध्या में 6 जुलाई को श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की बड़ी बैठक होने वाली है।दावा किया जा रहा है कि संघ की रिपोर्ट के आधार पर आने वाले दिनों में कई अहम फैसले लिए जा सकते हैं।सूत्रों का कहना है कि दान और व्यवस्थाओं से जुड़े विवादों के बाद संघ ने ट्रस्ट पदाधिकारियों से दूरी बनाने का मन बना लिया है। ट्रस्ट से जुड़े कुछ चेहरों की भूमिका और जिम्मेदारियों की समीक्षा की जा रही है। बताया जा रहा है कि कुछ पदाधिकारियों के अधिकार सीमित करने और नई जिम्मेदारियां तय करने पर चर्चा चल रही है।चंपत राय और अनिल मिश्र के इस्तीफे के बाद अब गोपाल राव को लेकर 6 तारीख की बैठक में फैसला हो सकता है।देखा जाये तो सूत्रों के अनुसार 15 सदस्यीय श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पुनर्गठन पर भी विचार शुरू हो गया है। चर्चा इस बात की है कि ट्रस्ट में संत समाज की भागीदारी को और मजबूत किया जाए। बताया जा रहा है कि पश्चिम भारत, विशेषकर नासिक क्षेत्र से जुड़े संघ की पृष्ठभूमि वाले एक प्रतिष्ठित धर्माचार्य के नाम पर विचार चल रहा है। इसके साथ ही अयोध्या के किसी प्रमुख संत को भी ट्रस्ट में शामिल करने का प्रस्ताव चर्चा में है।

डाक्टर्स डे पर आईएमए ने किया वाक ए थान का किया आयोजन

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। अयोध्या में राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस यानी डॉक्टर्स डे के अवसर पर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की ओर से एक विशेष श्वॉक ए थानश का आयोजन किया गया।इस पद मार्च का उद्देश्य चिकित्सकों के बीच फिटनेस के प्रति जागरूकता बढ़ाना और समाज को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश देना था।बुधवार को सुबह जिला अस्पताल से शुरू हुआ यह पद मार्च मैसानिक लॉज तक निकाला गया,जिसमें सैकड़ों चिकित्सकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की अगुवाई आईएमए के जिलाध्यक्ष डॉ. आशीष श्रीवास्तव ने की। वहीं विधायक डॉ. अमित सिंह चौहान,एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर, राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. दिनेश सिंह मार्तोलिया और मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. देवेंद्र कुमार भिटौरिया ने हरी झंडी दिखाकर पद मार्च को रवाना किया।इस वर्ष कार्यक्रम की थीम ष्फिट डॉक्टर्स, हेल्दी नेशनष रखी गई।आयोजकों का कहना था कि यदि चिकित्सक स्वयं शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहेंगे, तभी वे बेहतर तरीके से मरीजों की सेवा कर सकेंगे और एक स्वस्थ समाज के निर्माण में प्रभावी भूमिका निभा पाएंगे।पद मार्च में डॉ. वीरेंद्र सिंह, डॉ. आर.बी. वार्ष्णेय, डॉ. रजनीश वर्मा, डॉ. अरविंद कुमार, डॉ. अनिल जायसवाल, डॉ. शैलेंद्र कुमार, डॉ. सुषमा त्रिवेदी, डॉ. विनीत सिंह समेत बड़ी संख्या में चिकित्सक शामिल हुए। इस अवसर पर स्वास्थ्य जागरूकता, फिटनेस और चिकित्सा सेवा के प्रति समर्पण का संदेश दिया गया। आईएमए के जिलाध्यक्ष डॉ. आशीष श्रीवास्तव ने सभी चिकित्सकों को डॉक्टर्स डे की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि डॉक्टर केवल मरीजों का इलाज ही नहीं करते, बल्कि समाज को स्वस्थ और सुरक्षित बनाने में भी अहम भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के अंत में चिकित्सकों ने रक्तदान कर मानव सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी का भी प्रेरणादायी संदेश दिया।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।